एजेंसी देना हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक

जनसेवा समाचार

MPHIN/2013/53952

web:www.jansewasamachar.com

आवश्यक्ता हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सकें।

वर्ष-21 | अंक-218 | प्रात:कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, मंगलवार 8 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

दुबई में एआईएम कांग्रेस-2026 के मंच से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का वैश्विक निवेशकों को मध्यप्रदेश आने का आमंत्रण

मध्यप्रदेश में सरकार निवेशकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी

भोपाल (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 में दुनिया भर के निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के विशाल घरेलू बाजार के केंद्र में स्थित है और मजबूत कनेक्टिविटी, विकसित औद्योगिक आधार तथा निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण तेजी से देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों को हर स्तर पर पूरा सहयोग मिलेगा और सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआईएम कांग्रेस-2026 के आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह मंच पारंपरिक निवेश से आगे बढ़कर वैश्विक नवाचार, आर्थिक साझेदारी और नए अवसरों का सशक्त मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था, भू-राजनीतिक परिस्थितियां, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हरित विकास आज निवेश की दिशा को प्रभावित कर रहे हैं।

वैश्विक बाजारों और नये निवेश की संभावनाओं का विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंध आज अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और यूएई के शीर्ष नेतृत्व के बीच बने गहरे विश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को नई रणनीतिक और आर्थिक ऊर्जा दी है। वर्ष 2022 में लागू व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते सीईपीए ने व्यापार, निवेश, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल सहयोग के लिए नए अवसर खोले हैं। उन्होंने कहा कि भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर चुका है और वर्ष 2032 तक इसे 200 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है।

कृषि और फूड प्रोसेसिंग में बड़ी संभावना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत और यूएई की अर्थव्यवस्थाओं में अनेक समानताएं हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। विशेष रूप से कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश यूएई और पूरे खाड़ी क्षेत्र के लिए विश्वसनीय और दीर्घकालिक आपूर्ति साझेदार बन सकता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के प्रमुख कृषि राज्यों में शामिल है। सोयाबीन, गेहूं, दालों, मक्का, मसालों और अन्य कृषि उत्पादों के साथ प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यूएई अपनी खाद्य जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। ऐसे में मध्यप्रदेश के लिए खाड़ी क्षेत्र एक बड़ा और स्थायी बाजार बन सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुबई जैसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार से प्रदेश के कृषि उत्पादों को जोड़ने से किसानों को बेहतर बाजार और उनकी उपज के बेहतर मूल्य मिल सकते हैं। इसके साथ ही कोल्ड चेन, ग्रेडिंग, भंडारण और फूड प्रोसेसिंग में निवेश के नए अवसर भी सृजित होंगे।

भाजपा विधायक बोले-

मिसाइल छोड़ो तो काजी कैंप में जाकर गिरे

फिर सफाई दी- मतलब इस्लामाबाद से था

भोपाल (ब्यूरो). भोपाल के करोंद में रविवार रात मटकी फोड़ प्रतियोगिता के दौरान हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा के बयान पर सियासत गर्मा गई। उन्होंने मंच से कहा कि करोंद चौराहे से मिसाइल छोड़ो तो काजी कैंप में जाकर गिरे। इसके तुरंत बाद शर्मा ने सफाई दी कि उनका आशय भोपाल के काजी कैंप से नहीं, बल्कि इस्लामाबाद वाले काजी कैंप से था। बयान को लेकर कांग्रेस के मीडिया को-ऑर्डिनेटर अब्बास हाफिज ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मामले पर सरकार का रुख स्पष्ट करने और विधायक के बयान पर कार्रवाई को लेकर जवाब देने की मांग की है। करोंद के भगत सिंह चौराहे पर आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में रामेश्वर शर्मा ने हिंदू एकता, राष्ट्रवाद और आतंकवाद पर बात की।

स्वतंत्र भारद्वाज के वकील बोले-

गिरफ्तारी की हिम्मत कैसे की

नई दिल्ली (एजेंसी). दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी को लेकर सुनवाई हुई। भारद्वाज के वकील ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर मामले से जुड़ी सारी स्न्ढ्ढक्र रद्द कर दी थीं, तो दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जाकर उसे गिरफ्तार करने की हिम्मत कैसे की। पुलिस ने इस दावे को चुनौती देते हुए कहा कि मौजूदा मामले की एफआईआर रद्द नहीं हुई है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से साफ जवाब मांगा कि संबंधित एफआईआर अभी है या नहीं। कोर्ट ने पुलिस को तुरंत बयान देने या हलफनामा दाखिल करने का विकल्प दिया। इस बीच, कोर्ट ने भारद्वाज की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ाकर 21 सितंबर तक कर दी। भारद्वाज को 23 जून को संजय आजाद पर हमले के मामले में तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्पेशल जज सौरभ प्रताप सिंह लालेड़ के सामने पेश किया गया था।

पुलिस ने 4 सितंबर को हिरासत में लिया था

भारद्वाज को 4 सितंबर को बुलंदशहर में हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उन्हें दिल्ली लाया गया। 5 सितंबर को कोर्ट ने पुलिस को एक दिन की कस्टोडियल पूछताछ की अनुमति दी। इसके बाद रविवार को उन्हें एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। यह गिरफ्तारी एक वीडियो पॉडकास्ट के बाद हुए विवाद के बीच हुई। इसमें भारद्वाज ने कथित तौर पर दावा किया था कि जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान उन्होंने संजय आजाद की सर फोड़ दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि हमले के चलते बीएनएस की धारा 307 लगाई गई। बाद में भारद्वाज ने दावा किया कि उन्होंने आत्मरक्षा में ऐसा किया था।

एमपी में जहरीली शराब से पिता-बेटा समेत 22 मौतें

शराब ठेकेदार समेत 30 पर केस, 10 गिरफ्तार

सागर (ब्यूरो)। सागर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। मरने वालों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। 112 लोग ऐसे हैं, जिनकी जहरीली शराब पीने से हालत बिगड़ी है। उन्हें सागर और भोपाल के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में शराब बेचने वाले ठेकेदार समेत 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 10 को अरेस्ट कर लिया गया है। सोमवार सुबह महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50) और कृष्ण कुमार लोधी ने दम तोड़ा। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार देर रात को मौत हुई थी। उनके पिता गोविंद लोधी ने भी रविवार को दम तोड़ दिया था। रामप्रसाद का छोटा भाई भूरे लोधी सागर में भर्ती है। वहीं, दोपहर में गूगरा खुर्द निवासी भगवान सिंह (35), खटोरा निवासी गोपाल आदिवासी (40) और देश कुमार लोधी, निवासी मुड़ना पैरा की भी मौत हुई है।

एक शख्स ने पूछा था- जहरीली शराब तो नहीं है

बंडा थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, फरियादी अनूप सिंह लोधी ने बताया कि उसके गांव में करीब 8 लोग अवैध रूप से शराब बेचते हैं। 4 सितंबर को वह अपने भतीजे राजेंद्र लोधी के साथ जुझार लोधी की दुकान पर गया था। जुझार ने बताया कि बरेठी के लाइसेंसी शराब ठेकेदार यशवंत सिंह, मनीष लोधी और बंडा निवासी आशीष साहू ने आकाश राय, रहीम खान, सत्यम, आशाराम, अरविंद, रविंद्र, रोहित, अनिकेत गंधर्व और माखन के माध्यम से अपनी गाड़ी से नया सस्ता ब्रांड भेजा है। उसने कहा कि यह शराब दुकान से 20 रुपए सस्ती मिलेगी। अनूप ने कहा कि उसे आज शराब नहीं पीनी है। राजेंद्र ने पूछा कि नकली जहरीली शराब तो नहीं है।

अवैध शराब मामले में मजिस्ट्रियल जांच

सागर के बंडा क्षेत्र में संदिग्ध अमानक/अवैध शराब के सेवन से ग्रामीणों के बीमार होने और कुछ लोगों की मौत के मामले में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। जांच की जिम्मेदारी जैसीनगर एसडीएम को सौंपी गई है। जांच में मौतों की वास्तविक वजह, शराब के निर्माण-भंडारण और वितरण में शामिल लोगों तथा संबंधित विभागों की लापरवाही की जांच होगी। जांच अधिकारी को स्पष्ट अभिमत के साथ रिपोर्ट कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला- सरकार भी जवाबदेही से नहीं बच सकती

हॉस्टल हादसे के लिए नगर निगम जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी). दिल्ली हॉस्टल मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- हादसे के लिए दिल्ली नगर निगम और दिल्ली यूनिवर्सिटी दोनों जिम्मेदार हैं। कोर्ट ने कहा कि बाहर से पढ़ने आने वाले छात्रों के हॉस्टलों की हालत बेहद दयनीय और खराब है। सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है। अदालत ने एमसीडी , दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, एनएचआरसी और दिल्ली विश्वविद्यालय को 10 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। वहीं, पुलिस ने हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को राजस्थान के भिवाड़ी से गिरफ्तारी में ले लिया है। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था।

संजय दत्त बोले-जेल में भी मराठी नहीं सीख पाया

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने मराठी में बोलने से इनकार कर दिया। रविवार को मुंबई में आयोजित दही हांडी कार्यक्रम में उन्होंने कहा, मैं 6 साल तक येरवडा जेल में रहा, तब भी मराठी भाषा नहीं सीख पाया। संजय दत्त के बयान पर अब विवाद हो गया है। यह कार्यक्रम ठाणे में शिवसेना के नेता और महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने आयोजित किया था।

कर्नाटक में टीचर्स नाम के आगे लिख सकेंगे टी.आर

सीएम शिवकुमार बोले- शिक्षकों के योगदान को सम्मान देने के लिए फैसला लिया

बेंगलुरू (एजेंसी). कर्नाटक में शिक्षक अब अपने नाम के आगे 'Tr' लिख सकेंगे। राज्य सरकार ने टीचर्स डे के मौके पर इस बारे में आदेश जारी किया। 'Tr' का इस्तेमाल डॉक्टरों के लिए 'Dr' और प्रोफेसरों के लिए 'Prof' की तरह किया जा सकेगा। विजयनगर जिले के कुदलिगी में सीएम डीके शिवकुमार ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह फैसला शिक्षकों के योगदान को सम्मान देने के लिए लिया गया है। 'ञ्ज्र' सिर्फ सम्मान के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। इसका मकसद शिक्षण को अलग पेशेवर पहचान देना है। शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक में करीब 4.5 लाख शिक्षक हैं। उन्होंने कहा, समाज में हम दो तरह के लोगों में भगवान को देखते हैं। एक हमारे माता-पिता हैं, जो हमें जन्म देते हैं। दूसरे वे लोग हैं, जो जीवन में हमारा मार्गदर्शन करते हैं। शिवकुमार ने कहा कि शिक्षकों को सम्मान देना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने शिक्षकों को सैनिकों, किसानों और कामगारों की तरह देश के स्तंभ बताया। सीएम ने लिखा- 'Tr' सिर्फ दो अक्षर, लेकिन पूरी जिंदगी का सम्मान शिवकुमार ने एक्स पर लिखा कि हर डॉक्टर, जो इलाज करता है; इंजीनियर, जो निर्माण करता है; किसान, जो हमें भोजन देता है; अधिकारी, जो सेवा करता है; उद्यमी, जो कुछ नया बनाता है; और नेता, जो मार्गदर्शन करता है, इन सभी के पीछे एक शिक्षक होता है।

इसरो चेयरमैन बोले-

स्पेस एजेंसी सरकारी संस्था ही है, प्राइवेटाइजेशन नहीं हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी). इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी सरकारी संस्था है और इसका निजीकरण नहीं हुआ है। उन्होंने इसरो के कर्मचारियों की चिंताओं को जायज बताते हुए कहा कि उनका समाधान किया जाएगा। नारायणन बेंगलुरु स्पेस एक्सपो (बीएसएक्स) के 9वें सीजन के उद्घाटन समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में अंतरिक्ष क्षेत्र और स्पेस इकोनॉमी को बढ़ाने के लिए इसरो प्राइवेट कंपनियों और स्टार्टअप्स के साथ काम कर रहा है। नारायणन का बयान इसरो की 9 कर्मचारी संगठनों के 4 सितंबर को भेजे गए पत्र के बाद आया। संगठनों ने इसरो के मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कामों को प्राइवेट संस्थाओं को सौंपने के प्रस्ताव पर जवाब मांगा था। नारायणन का बयान इसरो की 9 कर्मचारी संगठनों के 4 सितंबर को भेजे गए पत्र के बाद आया। संगठनों ने इसरो के मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कामों को प्राइवेट संस्थाओं को सौंपने के प्रस्ताव पर जवाब मांगा था। देश में स्पेस इकोनॉमी को बढ़ाना जरूरी- हम सरकारी निवेश के साथ काम कर रहे हैं। लेकिन अब हमारे सामने कई तरह के काम हैं। देश में स्पेस इकोसिस्टम और स्पेस इकोनॉमी को बढ़ाना जरूरी है। 2. 6 साल पहले लागू हुए स्पेस सेक्टर के सुधार- करीब 6 साल पहले स्पेस सेक्टर में सुधार लागू किए गए थे।

पत्नी का सिर काटकर फ्रिज में रखा

हाथों की उंगलियां भी काटींबॉडी कुत्तों को खिलाने वाला था

गुवाहाटी (ब्यूरो)। असम के गुवाहाटी से एक युवक ने पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी पति ने पत्नी का सिर धड़ से अलग करके फ्रिज में रख दिया और उसके दोनों हाथों की उंगलियां भी काट दीं। मामले का खुलासा रविवार को तब हुआ था जब, वह बॉडी कुत्ते को खिलाने की तैयारी में था, लेकिन तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस बुला ली। पुलिस फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर घुसी तो 25 साल की रिया तालुकदार का धड़ मिला। हत्या के बाद से ही आरोपी रामानुजन गोस्वामी फरार था, जिसे सोमवार सुबह अरेस्ट कर लिया गया। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि हत्या के बाद रामानुजन ने उसी कमरे में खाना बनाया और खाया था।

6 महीने पहले ही हुई थी शादी

रिया और रामानुजन की शादी करीब 6 महीने पहले ही हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों गुवाहाटी के हाटीगांव इलाके में किराए से रह रहे थे। रिया फैंसी बाजार के एसी मार्केट इलाके में स्थित एक बुटीक में काम करती थी। उसके परिवार में केवल एक भाई है। वहीं, रामानुजन कैब चलाता था। रामानुजन का पैतृक घर धुबरी जिले के गौरीपुर में है, जहां उसके माता-पिता रहते हैं। आरोपी के खिलाफ धुबरी थाने में एटीएम चोरी से संबंधित मामला दर्ज होने की जानकारी मिली है। पुलिस रामानुजन से पूछताछ कर रही है। उसके पास दो मोबाइल फोन मिले हैं, जिनकी जांच का जी रही है।

ग्रामीण इलाकों में भी 25 दिन में सिलेंडर बुकिंग होगी

नई दिल्ली (एजेंसी). अब गांवों में भी लोग 25 दिन में गैस सिलेंडर बुक कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने ग्रामीण इलाकों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर बुक करने का 45 दिन का नियम खत्म कर दिया है। शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर रिफिल बुकिंग का अंतराल 25 दिन है। केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को बताया कि सरकार ने सभी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को इस नए नियम को तुरंत प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं। सुरेश गोपी ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच जंग के दौरान एलपीजी सप्लाई पर दबाव था। इसके चलते 9 मार्च 2026 को शहरी इलाकों में रिफिल बुकिंग का अंतर 25 दिन और 12 मार्च को ग्रामीण इलाकों में 45 दिन कर दिया गया था। सप्लाई की स्थिति सुधरने के बाद फैसला मंत्री ने कहा कि एलपीजी सप्लाई की मौजूदा स्थिति में सुधार हुआ है और पेंडिंग बुकिंग में कमी आई है। इसी वजह से केंद्र सरकार ने यह पाबंदी हटा दी है।

सीएम विजय बोले-

महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा बर्दाश्त नहीं करूंगा

चेन्ई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम विजय ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा उनकी सरकार की प्राथमिकता है। महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की अभद्र भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विजय का यह बयान नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन की एक्ट्रेस त्रिशा को लेकर की गई डबल मीनिंग टिप्पणी के विवाद के बीच आया है। पुलिस ने 4 अगस्त को उदयनिधि स्टालिन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था।

मेरठ में 13 साल के बच्चे की हार्टअटैक से मौत

कुनाल शर्मा
मृतक

मेरठ। मेरठ में 13 साल के बच्चे की हार्ट अटैक से मौत हो गई। सोमवार दोपहर करीब 2:15 बजे उसका शव स्कूल के बाथरूम में मिला। छुट्टी होने के बाद वह टॉयलेट गया था। लेकिन बाहर नहीं आया। उधर, स्कूल के बाहर ई-रिक्शा ड्राइवर बच्चे का इंतजार कर रहा था। जब सभी छात्र आ गए और वह नहीं आया तो ड्राइवर खोजते हुए स्कूल के अंदर पहुंचा। स्कूल स्टाफ के साथ तलाश शुरू की गई। जब बच्चा क्लास में नहीं मिला तो सभी बाथरूम की तरफ गए। वहां छात्र पड़ा मिला। स्कूल स्टाफ ने परिवार के लोगों को सूचना दी। मां-बाप नजदीक के प्राइवेट डॉक्टर के पास ले गए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। छात्र सातवीं में पढ़ता था। मां-बाप का कहना है कि बच्चे को पहले से दिल की कोई बीमारी नहीं थी। पूरा मामला मवाना थाना क्षेत्र के बसंत वैली पब्लिक स्कूल का है। 13 साल का कुनाल मवाना क्षेत्र में मोहल्ला काबिली गेट, कलावदा रोड निवासी धर्मेंद्र शर्मा का बेटा था।

पन्ना पुलिस की बड़ी कार्रवाईः वर्क फ्रॉम होम का झांसा देकर 5.87 लाख ठगने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के 5 सदस्य राजस्थान से गिरफ्तार

ठगी की रकम में से 5.82 लाख नगद बरामद, 4 आईफोन-एंड्रॉयड मोबाइल भी जब्त

आशीष यादव पन्ना।

पन्ना। पन्ना पुलिस ने सोशल मीडिया पर 'वर्क फ्रॉम होम' का झांसा देकर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने राजस्थान के दौसा जिले से गिरोह के 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 1 विधि-विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया है। आरोपियों के कब्जे से ठगी गई राशि में से 5 लाख 82 हजार रुपये नगद बरामद किए गए हैं।

क्या है पूरा मामला –

फरियादिया कुमारी शशि कुशवाहा (19) निवासी परषोत्तमपुर, थाना कोतवाली पन्ना ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 अगस्त 2026 को इंस्टाग्राम पर उसे वर्क फ्रॉम होम का एक वीडियो विज्ञापन दिखा। विज्ञापन देखकर उसने टेलीग्राम पर 'विश्वाबुक पब्लिकेशन' नाम का ग्रुप ज्वाइन किया। आरोपियों ने उसे घर बैठे बुक/कंटेंट लिखने का काम देकर 25 हजार रुपये देने का झांसा दिया।

इसके बाद आरोपियों ने रजिस्ट्रेशन फीस, डिलीवरी चार्ज, सिक्योरिटी चार्ज, विड्रॉल चार्ज और बैंक अकाउंट वेरिफिकेशन चार्ज के नाम पर अलग-अलग क्यू आर कोड विश्लेषण फोन-पे/यू पीआई से कुल 5,87,391 रुपये ट्रांसफर करा लिए।

फरियादिया की शिकायत पर थाना कोतवाली में अपराध क्र. 658/26 धारा 318(4), 319(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

एस पी के निर्देशन में बनी टीम, दौसा से दबोचे गए आरोपी –

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन, अतिरिक्त एसपी सुश्री वंदना चौहान व एसडीओपी एस.पी. सिंह बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। साइबर सेल की मदद से तकनीकी साक्ष्यों और ट्रांजेक्शन के आधार पर आरोपियों को दौसा, राजस्थान से पकड़ा गया।

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे सोशल मीडिया पर लुभावने विज्ञापन डालकर लोगों को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ते हैं और अलग-अलग चार्ज के नाम पर ठगी करते हैं।

गिरफ्तार आरोपी –

1. दिलखुश पिता तुलसीराम मीना, उम्र 18 वर्ष, निवासी महाराजपुरा तालाब, लालसोट, दौसा
2. छोटा उर्फ हेमराज पिता हरकेश मीना, उम्र 20 वर्ष, करनपुरा, लालसोट, दौसा
3. संतोष पिता गोपीलाल मीना, उम्र 23 वर्ष, करनपुरा, लालसोट, दौसा
4. अजय कुमार पिता मनमोहन मीना, उम्र 20 वर्ष, उगरियाबास, लालसोट, दौसा
5. 01 विधि विरुद्ध बालक

जप्त सामग्री –

5 लाख 82 हजार रुपये नगद और 4 मोबाइल (2 आईफोन, 2 एंड्रॉयड) कीमत करीब 2.50 लाख रुपये, कुल 8.32 लाख रुपये का मशरूका।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रोहित मिश्रा, सउनि सुभाष चंद्र, प्र.आर. खेमचंद, प्रमोद अहिरवार, आइमत सेन, आर. संदीप पटेल एवं साइबर सेल टीम का सराहनीय योगदान रहा।

पन्ना पुलिस की अपील – वर्क फ्रॉम होम, पार्ट टाइम जॉब के लुभावने विज्ञापनों से सावधान रहें। नौकरी के नाम पर किसी भी क्यू आर कोड पर पैसा न भेजें। ठगी होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत करें।

भव्यता से मनाया जन्मोत्सव

मण्डला (नि.प्र.) भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर विकासखंड मोहगांव में भव्य एवं रैली का आयोजन किया गया इस रैली में मोहगांव एवं आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया महिला पुरुष एवं बच्चों ने मोटरसाइकिल चार पहिया वाहनों तथा अन्य वाहनों के साथ रैली में शामिल होकर जय श्रीकृष्ण के जयघोष से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया रैली मोहगांव बस स्टैंड से प्रारंभ होकर ग्राम चाबी तक निकाली गई श्रृद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था ग्राम चाबी स्थित भगवान श्रीकृष्ण मंदिर में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण का अभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया गया।

जागरूकता सत्र आयोजित

मण्डला (नि.प्र.) मिशन पोषण गतिविधियों एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र मोहगांव विकासखंड मवई तहसील बिछिया में जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से उपलब्ध कराई जाने वाली छह प्रकार की सहायता सेवाओं की जानकारी दी।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

मण्डला (नि.प्र.) शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय द्वारा माहिष्मती घाट में नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। प्रात: 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित शिविर में रोगियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक औषधियों का वितरण किया गया। चिकित्सकों ने नागरिकों को वर्षा ऋतु में होने वाली मलेरिया डायरिया सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए।

कानूनी अधिकारों की जानकारी

मण्डला (नि.प्र.) आंगनवाड़ी केन्द्र जामुन टोला पंचायत जामगांव एवं आंगनवाड़ी केन्द्र पटेल टोला, ग्राम पंचायत ईश्वरपुर विकासखंड नैनपुर में हब एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत मिशन पोषण गतिविधियों के तहत जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थों, विभिन्न प्रकार की भाजियों फलों अनाज मोटे अनाज एवं दालों के पोषण महत्व की जानकारी दी।

बाल-बाल बचा युवक

मण्डला (नि.प्र.) महाराजपुर दादा धनीराम आश्रम के पास एक सड़क हादसा हुआ। यहां एक ट्रक के पिछले पहिए में मोटरसाइकिल घुस गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक सुरक्षित बच गया उसे हल्की चोटें आई हैं। हालांकि मोटरसाइकिल पूरी तरह टूट गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रक और बाइक दोनों महाराजपुर से पुल की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान बाइक बेकाबू होकर ट्रक के पीछे से उसके पिछले पहिए में जा घुसी। ट्रक के रुकने तक उसके पहिए बाइक के ऊपर से निकल गए जिससे मोटरसाइकिल पूरी तरह टूट गई।

एसडीएम ने किया भ्रमण

मण्डला (नि.प्र.) कलेक्टर के निर्देशानुसार ग्राम गौंझीमाल स्थित चुटका परियोजना विस्थापित परिवारों की कॉलोनी का अनुविभागीय अधिकारी शैलेन्द्र चौधरी द्वारा भ्रमण किया गया। इस दौरान तहसीलदार हिमांशु भलावी भी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी ने कॉलोनी में निवासरत विस्थापित परिवारों से भेंट कर उनका कुशल-क्षेम जाना तथा उनकी समस्याओं की जानकारी ली कॉलोनीवासियों द्वारा स्ट्रीट लाइट एवं विद्युत संबंधी समस्याओं से अवगत कराया गया।

शिक्षा को लेकर सरकार गंभीर : मंत्री

मण्डला (नि.प्र.) मंडला में शिक्षक दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके ने शिक्षकों और शिक्षा व्यवस्था को लेकर बयान दिया उन्होंने कहा कि अतिथि शिक्षकों की भर्ती निर्धारित क्राइटेरिया के आधार पर पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ की जा रही है मंत्री ने कहा कि अतिथि शिक्षकों को समय पर मानदेय मिले इसके लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समय-सीमा में भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है शिक्षकों की उपस्थिति के लिए ऑनलाइन व्यवस्था और थंब अटेंडेंस सिस्टम लागू किया गया है उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के शिक्षा स्तर को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षक प्रशिक्षण लेकर बच्चों को तकनीकी ज्ञान के साथ मातृभाषा में भी शिक्षा दे रहे हैं शिक्षक दिवस पर मंत्री संपतिया उईके ने सभी गुरुजनों को कोटि-कोटि नमन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री का शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार जताया।

स्वयं सिद्ध पैरामेडिकल में शिक्षक दिवस

मण्डला (नि.प्र.)

स्वयं सिद्ध इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल टेक्नोलॉजी में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास एवं आनंद के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शरद नारायण खरे प्राचार्य जग.मु.चौ. महिला महाविद्यालय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती नीलम खरे उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. शरद नारायण खरे द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तैल्यचित्र पर माल्यार्पण एवं सरस्वती पूजन के साथ किया। संस्था की ओर से डॉ. समीर साहू द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ शॉल श्रीफल एवं सम्मान-पत्र भेंट कर स्वागत किया गया। वहीं श्रीमती वंदना तिवारी ने विशिष्ट अतिथि श्रीमती नीलम खरे का पुष्पगुच्छ शॉल एवं श्रीफल देकर स्वागत किया। इस अवसर पर संस्था के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान में उपहार भेंट किए गए। विद्यार्थियों ने विभिन्न कविताओं एवं गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्य अतिथि डॉ. शरद नारायण खरे ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माता होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षक की भूमिका महत्व एवं जिम्मेदारियों से अवगत कराया तथा अपने जीवन के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अनुशासन का पालन करने के लिए प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों के आग्रह पर डॉ. शरद नारायण खरे एवं श्रीमती नीलम खरे ने भी गायन प्रस्तुति दी जिससे कार्यक्रम का माहौल और अधिक आनंदमय हो गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में श्रीमती वर्षा तिवारी ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य सुरेंद्र यादव, शीतल उइके अमीषा विश्वकर्मा, राजकुमारी सलाम, श्रीमती वंदना तिवारी, सुश्री पलक चंद्रोल, सुश्री मोना यादव, दुर्गेश, राजू सहित संस्था के शिक्षकगण एवं समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति पर अवेयरनेस प्रोग्राम

मण्डला (नि.प्र.)

माँ रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में नशा मुक्ति अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा और विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में संकल्प रहा। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय संस्थान से आए। मीना चौरसिया, सरिता चौरसिया, ममता साहू और प्रकाश राय ने नशे से होने वाले शारीरिक मानसिक और सामाजिक नुकसान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जीवन में कभी भी नशे का सेवन न करने बात कही। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों शिक्षकों और प्राध्यापकों ने मिलकर नशा मुक्ति की सामूहिक शपथ ली यह कार्यक्रम संचालक डॉ. अभिषेक चौबे एवं प्राचार्य डॉ. कनिका खरे के कुशल मार्गदर्शन और निर्देशन में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ कार्यक्रम का आयोजन डॉ. कविता भावसार द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण एवं रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा अंत में सभी ने इस नेक मुहिम को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अधूरी सड़क बनी मुसीबत, ग्रामीण परेशान

मण्डला (नि.प्र.)

जिले के मवई विकासखंड में सेदा-मजगांव मार्ग की बदहाली अब ग्रामीणों के लिए परेशानी से आगे बढ़कर जान का जोखिम बनती नजर आ रही है। बारिश के बीच छुई नाला में मरीज को लेकर जा रही एंबुलेंस का डायवर्सन पुलिया क्षतिग्रस्त होने के कारण रास्ते में ही फंस गई। एंबुलेंस के आगे नहीं बढ़ पाने के बाद मरीज को दूसरी गाड़ी से मंडला अस्पताल ले जाना पड़ा। इस घटना ने निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता निर्माण की धीमी रफ्तार और विभागीय निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि सेदा-मजगांव सड़क का निर्माण कार्य एक साल से अधिक समय से जारी है लेकिन अब तक सड़क का काम पूरा नहीं हो सका है। बारिश के मौसम में निर्माणाधीन सड़क और उस पर बनाए गए डायवर्सन की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। छुई नाला में बना डायवर्सन बारिश के पानी के तेज बहाव से क्षतिग्रस्त हो गया जिससे वाहनों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। सेदा-मजगांव मार्ग का निर्माण कार्य लंबे समय से चल रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क निर्माण की धीमी गति के कारण उन्हें रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो गई है। कहीं सड़क पर कीचड़ जमा है तो कहीं गड्ढों के कारण वाहन चालकों को जोखिम उठाकर गुजरना पड़ रहा है।

रील के लिए जान जोखिम में

मण्डला (नि.प्र.)

निवास विकासखंड के प्रसिद्ध घुघरा जलप्रपात से एक हैरान कर देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक युवक घुघरा वाटरफॉल के बेहद खतरनाक मुहाने पर खड़ा नजर आ रहा है। इसी दौरान गीली और फिसलन भरी चट्टान पर अचानक उसका पैर फिसल जाता है और उसकी चप्पल भी नीचे गिर जाती है। पैर फिसलते ही युवक कुछ क्षण के लिए अपना संतुलन खो देता है। गनीमत रही कि उसने किसी तरह खुद को संभाल लिया और बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गया। यदि कुछ सेकंड के लिए भी उसका संतुलन बिगड़ जाता तो वह सैकड़ों फीट नीचे गहरी खाई में गिर सकता था। घटना का वीडियो सामने आने के बाद अब सोशल मीडिया पर इसे लेकर चिंता जताई जा रही है। बारिश के मौसम में घुघरा जलप्रपात की चट्टानें बेहद फिसलन भरी हो जाती हैं और यहां पानी का बहाव भी काफी तेज रहता है। इसके बावजूद कई लोग रील फोटो और सोशल मीडिया कंटेंट बनाने के चक्कर में अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

गरिमामय वातावरण में मनाया शिक्षक दिवस

मण्डला (नि.प्र.) सांदीपनि विद्यालय निवास में भारत के महान शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियो शिक्षको जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा क्षेत्र के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते तथा विशिष्ट अतिथि विधायक चैन सिंह बरकड़े रहे। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती मंजूलता कुलस्ते सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामय उपस्थिति रही। इस अवसर पर आकाश पांडे , राकेश रजक, अशोक बड़गैया, विनोद दुबे, वीरेंद्रधर द्विवेदी, विधायक प्रतिनिधि इलियास खान, संजय जायसवाल, कैलाश साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील दुबे, प्रभारी प्राचार्य प्रेम किशोर तिवारी, डीके गुप्ता एवं अनुराग जैन, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त शिक्षक नवीन व्यौहार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस की महत्ता को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, भाषण, कविता पाठ एवं अन्य मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं।

दक्षिण पन्ना की महिला वनकर्मी ने जिले को किया गौरवान्वित, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के प्रतिष्ठित 'मछली अवार्ड' के लिए चयन

आशीष यादव पन्ना।

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमंडल के रैपुरा परिक्षेत्र में पदस्थ परिक्षेत्र सहायक श्रीमती रंजना नागर ने पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया एवं प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में दिए जाने वाले प्रदेश स्तरीय प्रतिष्ठित 'मछली पुरस्कार' के लिए उनका चयन किया गया है।

उन्हें 10 सितंबर 2026 को भोपाल में आयोजित समारोह में 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

वन्यजीव संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान –

श्रीमती रंजना नागर ने वन एवं वन्यजीव संरक्षण में कई साहसिक और सराहनीय कार्य किए हैं। उनके प्रमुख कार्यों में भालू के शिकार प्रकरण की जांच एवं आरोपियों को पकड़ने में अहम भूमिका, नीलगाय तथा 16 जंगली सूअरों का सफल रेस्क्यू, कुएं में गिरे तेंदुए और बछड़े को बचाने में महत्वपूर्ण योगदान, वनभूमि से अतिक्रमण हटाना तथा अवैध कटाई सहित अन्य वन अपराधों की रोकथाम शामिल है।

इसके अलावा नियमित रात्रि एवं मानसून गश्त के दौरान बागड़, विद्युत लाइनों और जलस्त्रोतों की निगरानी में भी वे सक्रिय रही हैं।

जनभागीदारी से जोड़ा संरक्षण को –

वन्यजीव संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने में भी उनका विशेष योगदान रहा है। ग्राम वन समितियों की बैठकों और चरवाहा सम्मेलनों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने,

सर्पदंश से बचाव के लिए मच्छरदानी, टॉर्च एवं स्नेक कार्ड तथा सांप-सीढ़ी जागरूकता सामग्री का वितरण जैसे कार्य किए हैं।

ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप के तहत संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त और 'फ्री मिट्ठू, फ्री किट्टू' अभियान के तहत पालतू बनाए गए तोतों एवं कछुओं को मुक्त कराकर उनके प्राकृतिक आवास में वापस पहुंचाने में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई है।

उल्लेखनीय है कि उनके समर्पित कार्यों के लिए पूर्व में भी जिला स्तर पर उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड से सम्मानित किया जा चुका है। उनके इस चयन से पूरे दक्षिण पन्ना वनमंडल में हर्ष का माहौल है।

संक्षिप्त समाचार

सरस्वती शिशु मंदिर की पूर्व छात्रा बबीता जाट बनीं असिस्टेंट प्रोफेसर

शिवपुरी। विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के मार्गदर्शन में संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, अस्पताल चौराहा, शिवपुरी की पूर्व छात्रा बबीता जाट ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा एवं कठिन परिश्रम से पूरे शिवपुरी जिले एवं प्रांत का मान बढ़ाया है।

उन्होंने कक्षा पूर्वार्द्ध से दशम तक की शिक्षा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, अस्पताल चौराहा, शिवपुरी में प्राप्त की। शिवपुरी की होनहार बेटी बबीता जाट, पुत्री यशपाल सिंह जाट (नगर पालिका), ने शैक्षणिक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दोहरी सफलता अर्जित की है। उन्होंने यूजीसी नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सहायक प्रोफेसर के पद के लिए पात्रता हासिल की है। विधि/कानून विषय की परीक्षा में उन्होंने 98.4581 परसेंटाइल प्राप्त किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की जूनियर ज्यूडिशियल ट्रांसलेटर परीक्षा भी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। उनकी इस दोहरी शानदार सफलता पर परिवार, नगर पालिका स्टाफ, विद्यालय परिवार एवं समस्त शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

महंगाई की मार से कमजोर वर्ग परेशान

मगरौनी। प्रदेश में कृषि भूमिहीन, मजदूर, आउटसोर्स सिस्टम के कर्मचारी, ठेका प्रथा के कर्मचारी, संविदा कर्मचारी तथा दैनिक वेतनभोगी मजदूर एवं कारीगर बढ़ती महंगाई से काफी परेशान हैं। समाजसेवी हरगोविंद दुबे ने बताया कि मगरौनी बाजार में आटा, दाल, सरसों का तेल, रिफाइंड, चावल, मैदा, रवा, सब्जियां, दवाइयां आदि आवश्यक वस्तुएं काफी महंगी मिल रही हैं। शक्कर भी 70 रुपए किलो मिल रही है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार का कहना है कि खाद्य वस्तुओं के दाम कम किए गए हैं, लेकिन मगरौनी के बाजार में किसी वस्तु की कीमत कम नहीं हुई है। मगरौनी में एक और दो रुपए के सिक्के भी बाजार में स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं, जिससे नागरिक परेशान हैं।

सेवानिवृत्त शिक्षक का निधन

मगरौनी। कस्बा के रहवासी शिक्षक सुरेशचंद्र जैन का आकस्मिक निधन हो गया। वहीं, भृत्य युगल किशोर बाथम, निवासी नरवर, का भी निधन हो गया। उनके निधन पर पेंशनर संघ के तहसील अध्यक्ष एसएस कुशवाह, हरगोविंद शर्मा, रामबाबू झा, लक्ष्मीचंद झा, नाथूराम दुबे, रतनलाल बाथम, जगदीश दुबे, कैलाश झा, आरसी शर्मा, लखन कुशवाह, हाजीसमद खां, सेवानिवृत्त प्राचार्य एलएल वर्मा, विष्णु प्रसाद मिश्रा आदि ने सुरेशचंद्र जैन एवं युगल किशोर बाथम के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

पीके विश्वविद्यालय में धूमधाम से मना शिक्षक दिवस

शिवपुरी। शिक्षक दिवस के उपलक्ष में पी.के. विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पीके विश्वविद्यालय के कार्यकारी निदेशक डॉ.जे. के. मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलगुरु प्रो. डॉ. मुकेश चंसोरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात छात्र-छात्रों द्वारा संस्कृतिक कार्यकमों की प्रस्तुति दी गई।

निचली बस्तियों में भरा पानी, रपटों और पुलियों के जलमग्न हो जाने से आवागमन बाधित

लगातार झमाझम बारिश से नदी-नाले उफान पर

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिले में तीन दिन से हो लगातार हो रही बारिश से शहर और गांवों में परेशानी बढ़ गई है। निचली बस्तियों में पानी भर गया है। नदी-नाले और रपटे उफान पर हैं।

संजय कॉलोनी, नमो नगर, न्यू द्वारिकापुरी और झिंगुरा कॉलोनी में बारिश का पानी भर गया। कई जगह सड़कों पर पानी आने से आवाजाही मुश्किल रही। न्यू द्वारिकापुरी में पानी भरने से कई परिवार घरों में फंसे रहे। कमला हेरिटेज होटल से रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पर करीब एक फीट पानी भर गया। बताया गया कि यहां सीवर लाइन के चैंबर पहले से खराब थे। पानी भरने के बाद कई वाहन चैंबर में फंस गए। कुछ दोपहिया वाहन चालक घायल भी हुए।

बीमार युवक को खाट पर लिटाकर कराई नदी पार

रन्नौद थाना क्षेत्र में धंधेरा और डगपीपरी गांव के बीच कच्चा रास्ता और मौसमी नदी उफान पर है। बंजारा बस्ती के प्यारे लाल जाटव की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें खाट पर लिटाकर नदी पार ले गए। इसके बाद उन्हें रन्नौद अस्पताल पहुंचाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश में यह रास्ता अक्सर बंद हो जाता है। इससे आने-जाने और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचने में परेशानी होती है।

जलमग्न पुलिया से बाइक निकालते दिखे लोग

रन्नौद-बामौर मार्ग की पुलिया पर पानी बहने के बावजूद रविंद्र आदिवासी और अरविंद रजक बाइक से इसे पार करते दिखे। इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

प्रशासन ने नदी-नाले पार नहीं करने को कहा

प्रशासन लोगों से उफान पर चल रहे नदी-नालों और रपटों को पार नहीं करने की अपील कर रहा है। पुलिस और प्रशासन की ओर से लोगों को तेज बहाव वाले रास्तों से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। इसके अलावा स्थानों पर लगातार नजर भी रखी जा रही है।

धरा रह गया माधव टाइगर रिजर्व का प्लान

चांदपाठा एवं घसारही तालाब में छाई जलकुंभी को साफ करने के लिए करीब पौने दो करोड़ रुपए की मशीन लाई गई थी। इसकी मदद से सफाई करने के बजाय माधव टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने दावा किया था कि तालाब ओवरफ्लो होने पर जलकुंभी पानी के साथ तालाब की पार से बाहर निकल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

नदी में बहे युवक का शव बरामद

शिवपुरी। सिरसौद थाना क्षेत्र के सिकराऊदा गांव में शुक्रवार को नदी के तेज बहाव में बहे 21 वर्षीय युवक का शव रविवार सुबह बरामद हुआ। राम पुत्र राजू रावत रपटा पार करते समय नदी में बह गया था। दो दिन की तलाश के बाद नदी का जलस्तर कम होने पर ग्रामीणों ने घटनास्थल से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर गहलोनी के पास नदी किनारे शव देखा और पुलिस को सूचना दी।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह नदी का जलस्तर थोड़ा कम हुआ। इसी दौरान ग्रामीणों की नजर गहलोनी के पास नदी किनारे पड़े शव पर पड़ी। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिरसौद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

घसारही तालाब भी ओवरफ्लो, तेज बहाव से पुलिया क्षतिग्रस्त

शिवपुरी। पिछले तीन दिन से लगातार हो रही बारिश के बाद चांदपाठा के साथ घसारही तालाब भी ओवरफ्लो हो गया। हरे-भरे खेत की तरह नजर आने वाले इस तालाब के किनारों पर जलकुंभी फंसकर रह गई है। हरियाली के नीचे से तेज रफ्तार में बहता पानी नहर के रास्ते बांकड़े मंदिर जाने वाली सड़क पर स्थित पुलिया तक पहुंचा और तेज बहाव के कारण पुलिया का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। गौरतलब है कि शिवपुरी में बीते तीन दिन से बारिश का दौर लगातार जारी है। इसके चलते शहरी क्षेत्र के निचले इलाकों में जलभराव होने के साथ ही नालों का पानी कर्बला से होकर चांदपाठा को ओवरफ्लो करते हुए घसारही तालाब में पहुंच गया। तालाब में छाई जलकुंभी और हरी-भरी घास किनारों पर अटक गई, जबकि इनके बीच से होकर पानी तालाब की पार से झरने की तरह बहता हुआ नहर में पहुंच रहा है। नहर का पानी आगे जाकर बांकड़े मंदिर जाने वाली पुलिया से इतने तेज बहाव के साथ निकला कि उसने एक तरफ के खंडे पत्थर उखाड़ने के साथ ही डामर की सड़क को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके चलते अब मंदिर जाने का रास्ता भी अवरुद्ध हो गया है। यहां से गुजरने वाले दोपहिया से लेकर चार पहिया वाहन तक अनियंत्रित हो रहे हैं।

सेवा भारती ने 41 शिक्षकों का किया सम्मान

नगर संवाददाता, शिवपुरी

शिक्षक दिवस के अवसर पर सेवा भारती शिवपुरी द्वारा 41 शिक्षकों के सम्मान हेतु गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना एवं गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आनंद राजावत, एसडीएम शिवपुरी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता यशपाल रावत, जिला समिति अध्यक्ष, सेवा भारती शिवपुरी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेंद्र जैन, विभाग सेवा प्रमुख, उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात उत्तम सिंह जी कुशवाहा, जिला सह सचिव द्वारा मंचासीन अतिथियों का परिचय कराया गया। शैलेश विरमानी द्वारा सभी अतिथियों का तिलक-चंदन लगाकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात सेवा भारती शिवपुरी की ओर से क्षेत्र में शिक्षा के माध्यम से संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 41 शिक्षकों का दुपट्टा एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि आनंद राजावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु का स्थान हम सभी के जीवन में अत्यंत उच्च एवं सम्माननीय है। उन्होंने कहा कि आज वे जिस स्थान पर हैं, उसमें उनके गुरुजनों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की प्रथम गुरु उसकी मां होती है। जीवन में सही मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए हमें अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे यशपाल रावत ने कहा कि गुरु का स्थान हमारे जीवन में सर्वोच्च है। भारतीय संस्कृति में गुरु की महिमा को बताते हुए कहा गया है- गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरु साक्षात् परब्रह्म, तस्मै श्री गुरवे नमः। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में गुरु का सदैव सम्मान करना चाहिए। तभी हम एक अच्छे नागरिक एवं बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में नगर अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष एवं छात्रावास समिति के अध्यक्ष द्वारा मुख्य अतिथि आनंद राजावत को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती विनीता जैन द्वारा किया गया। अंत में जयंती बक्षी ने उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। समारोह में सेवा भारती के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

गरीबों का राशन हड़पने वालों से वसूले जाएंगे 16 लाख रुपए, आदेश जारी

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिलाधीश एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशों के परिपालन में कोलारस अनुभाग में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़, पारदर्शी एवं सुचारू बनाने के उद्देश्य से व्यापक कार्रवाई की जा रही है। जिलाधीश श्री वर्मा ने स्पष्ट किया है कि पात्र हितग्राहियों तक खाद्यान्न की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर पाई जाने वाली अनियमितता पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधीश एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशों के क्रम में कोलारस अनुभाग अंतर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली में दर्ज अनियमितताओं के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषी पूर्व विक्रेताओं एवं प्रबंधकों से 16 लाख रुपये से अधिक की राशि की वसूली के आदेश जारी किए गए हैं। इसके तहत शासकीय उचित मूल्य दुकान लेवा के पूर्व विक्रेता राजकुमार शर्मा एवं पूर्व प्रबंधक हार्दिक गुप्ता से 4,41,300 रुपये, कार्या दुकान के पूर्व प्रबंधक सुआ लाल रावत, विक्रेता भगवान जाटव एवं सहायक विक्रेता अजय परिहार से 5,00,725 रुपये, रिन्हाय दुकान के विक्रेता सोनू जाटव, सहायक विक्रेता भारत यादव एवं प्रबंधक हेतराम जाटव से 3,37,035 रुपये तथा अटरूनी दुकान के विक्रेता चित्रांश ओझा से 3,20,407 रुपये की वसूली के आदेश जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त लेवा एवं कार्या दुकान के संबंधित विक्रेताओं एवं प्रबंधकों के विरुद्ध गंभीर अनियमितता पाए जाने पर तेंदुआ थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई जा चुकी है।

विक्रेता भेजा गया जेल

खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के कड़े निर्देशों के तहत शासकीय उचित मूल्य दुकान उन्हाई के विक्रेता गोपाल जाटव पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई की गई है। विक्रेता द्वारा ग्रामीणों को राशन वितरण न किए जाने तथा स्थल पर भौतिक सत्यापन के दौरान दुकान पर खाद्यान्न उपलब्ध न पाए जाने को गंभीरता से लिया गया। इसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत संबंधित विक्रेता के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है।

जिलाधीश की पहल पर बारिश के बीच घर-घर पहुंचा राशन

जिलाधीश अर्पित वर्मा की मंशा के अनुरूप जहां एक ओर अनियमितता करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अंतिम व्यक्ति तक खाद्यान्न पहुंचाना प्राथमिकता में शामिल है। इसी संवेदनशीलता का उदाहरण ग्राम मोहरा (तहसील कोलारस) में देखने को मिला, जहां अत्यधिक वर्षा के कारण हितग्राही राशन दुकान तक पहुंचने में असमर्थ थे। जिलाधीश श्री वर्मा के जनसुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देशों का पालन करते हुए विक्रेता विवेक वैरागी एवं उनकी टीम ने पीओएस मशीन और राशन सामग्री के साथ ग्रामीणों के द्वार-द्वार पहुंचकर खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित किया।

संस्कृति सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर बच्चों को दिया मोबाइल रिपेयरिंग का प्रशिक्षण

शिवपुरी। भारत विकास परिषद शाखा विवेकानंद, शिवपुरी द्वारा आयोजित संस्कृति सप्ताह के अंतर्गत चतुर्थ दिवस पर बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लक्ष्मी निवास के पास स्थित हरिओम मोबाइल पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को मोबाइल रिपेयरिंग का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ मोबाइल व्यवसाय एवं दुकानदारी के आवश्यक गुण भी सिखाए गए। लगभग दो माह से संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चों ने मोबाइल रिपेयरिंग की बारीकियां सीखीं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात सभी बच्चे अब अपनी-अपनी मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान शुरू करने के लिए तैयार हैं। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को हुनर प्रदान कर उन्हें रोजगार के लिए सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन संस्कृति सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर किया गया। संयोग से आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व भी है। परिषद के सदस्यों का मानना है कि बच्चों को हुनर देकर उनके जीवन में आत्मनिर्भरता का मार्ग खोलने से बेहतर इस शुभ कार्य के लिए कोई दिन नहीं हो सकता। इस अवसर पर गरिमा जैन, सोनम जैन, रानू बंसल, रजनी गुप्ता, अंकित जैन, राधिका मंगल एवं रानी गोयल की गरिमामयी उपस्थिति एवं सहयोग रहा।

पिस्टल शूटिंग रेंज में अर्जुन बिरथरे ने जीता गोल्ड मेडल

नगर संवाददाता, शिवपुरी

श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर स्थित शूटिंग अकादमी में आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता में शिवपुरी के नवांकुर खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में नन्हे निशानेबाजों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और अपने सटीक निशानों से उपस्थित लोगों को प्रभावित किया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के अथक प्रयासों से शिवपुरी खेल स्टेडियम में शूटिंग रेंज अकादमी की स्थापना की गई थी। इसके बाद शिवपुरी शूटिंग अकादमी के होनहार शूटर के रूप में पिस्टल शूटिंग रेंज में 10 वर्षीय अर्जुन बिरथरे ने गोल्ड मेडल जीतकर शिवपुरी जिले का नाम रोशन किया है। अर्जुन बिरथरे भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जिला महामंत्री प्रमेन्द्र बिरथरे (सोनू) के पुत्र हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भूपेंद्र सिंह रावत, अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती शिवपुरी एवं पटेल एंड संस, पड़ोरा, उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष हेमंत ओझा, जिला खेल अधिकारी डॉ. केके खरे, हॉकी कोच वकार रोहिला, हनी जाट सहित शूटिंग कोच याकूब सर भी मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और खेलों में निरंतर अभ्यास एवं अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान मप्र शासन की पूर्व खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के प्रति भी आभार व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि उनकी दूरदर्शी सोच से शिवपुरी को मिली खेल सुविधाएं नई पीढ़ी की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही हैं।

विधायक ने सेवानिवृत्त शिक्षकों का शॉल-श्रीफल से किया सम्मान, युवाओं को दिया सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संदेश

बैराड़ में धूमधाम से निकली भगवान श्रीकृष्ण की शोभायात्रा

नगर संवाददाता, शिवपुरी

तहसील बैराड़ में यादव समाज द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के दूसरे दिन आयोजित इस शोभायात्रा में समाजजनों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

शोभायात्रा का शुभारंभ सिद्ध आश्रम से हुआ। विभिन्न मार्गों से होती हुई शोभायात्रा विराटनगर, बैराड़ पहुंची, जहां श्रद्धालुओं और समाजजनों ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों के साथ उत्साह और उमंग का प्रदर्शन किया। शोभायात्रा में धार्मिक झांकियां एवं भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े विभिन्न स्वरूप आकर्षण का केंद्र रहे। पूरे मार्ग में वातावरण भक्तिमय नजर आया। अंत में शोभायात्रा पुनः सिद्ध आश्रम पहुंचकर संपन्न हुई।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय विधायक महेंद्र यादव ने यादव समाज के सेवानिवृत्त शिक्षकों का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने समाज और शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों द्वारा दिए गए योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक समाज को दिशा देने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं और उनका सम्मान करना पूरे समाज का दायित्व है।

विधायक महेंद्र यादव ने इस अवसर पर समाज के युवाओं से भी संवाद करते हुए उन्हें शिक्षा, संस्कार और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने युवाओं से मेहनत और अनुशासन को अपने जीवन का आधार बनाकर सही दिशा में आगे बढ़ने तथा समाज एवं क्षेत्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित इस भव्य शोभायात्रा को लेकर यादव समाज और क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम ने समाज में एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का संदेश दिया।

शहर में आज निकलेगी दक्ष प्रजापति महाराज की शोभायात्रा

नगर संवाददाता, शिवपुरी

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राजा दक्ष प्रजापति जयंती के अवसर पर प्रजापति समाज द्वारा शिवपुरी में आगामी 7 सितंबर को महाराज दक्ष की भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। शोभायात्रा के समापन पर गांधी पार्क स्थित मानस भवन में प्रजापति समाज के उन मेधावी छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा मंच से सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने वर्ष 2026 में 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। प्रतिभा सम्मान और भव्य शोभायात्रा को लेकर समाजजनों में खासा उत्साह है।

आयोजन में प्रजापति समाज की प्रतिभा एवं स्वतंत्र राज्य मंत्री धर्मवीर प्रजापति सहित उत्तर प्रदेश के हमीरपुर से विधायक मनोज प्रजापति, मध्य प्रदेश के रीवा से विधायक नरेंद्र प्रजापति, पूर्व विधायक चंदला राजेश प्रजापति, काशी बाबा ट्रस्ट अध्यक्ष ग्वालियर प्रहलाद प्रजापति एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। शोभायात्रा के मुख्य संयोजक अखिल भारतीय प्रजापति महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हरज्ञान प्रजापति रहेंगे। आयोजन को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए समाज के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, महिलाएं और युवा लगातार तैयारियों में जुटे हुए हैं। 7 सितंबर को शोभायात्रा गांधी पार्क से प्रारंभ होकर लक्ष्मीनिवास, एबी रोड, माधव चौक होते हुए गुरुद्वारा की परिक्रमा करेगी और राजेश्वरी रोड से होते हुए अग्रसेन चौक पहुंचेगी। इसके बाद अस्पताल चौराहा, कोर्ट रोड, गांधी चौक होते हुए न्यू ब्लॉक से पुनः गांधी पार्क पहुंचकर शोभायात्रा संपन्न होगी। यात्रा के दौरान समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिलेगी।

माटीकला की झांकियां रहेंगी आकर्षण का केंद्र

शोभायात्रा में प्रजापति समाज की पारंपरिक माटीकला एवं कुम्हार कला से जुड़ी आकर्षक झांकियां विशेष रूप से शामिल की जाएंगी। झांकियों के माध्यम से समाज की समृद्ध परंपरा, कला और संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा, जो लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेंगी। समाजसेवी सूरज प्रजापति, अमर सिंह प्रजापति, कल्याण प्रजापति, पवन प्रजापति, कोमलिया प्रजापति, काशीराम प्रजापति, कोमल प्रजापति, गणेश प्रजापति, प्रदीप प्रजापति, सुनील प्रजापति, दाताराम प्रजापति सहित समस्त प्रजापति समाज ने समाज के सभी बंधुओं से अपील की है।

संपादकीय

एसआईआर का बवाल राज्य-दर-राज्य

कुछ समय पहले दिल्ली में एसआईआर के नतीजे आए हैं तथा इसमें 47 लाख वोटर्स के नाम गायब होने पर हल्ला मचा हुआ है। दरअसल अब हर बार जब-जब एसआईआर का जिक्र जिस राज्य में आता है, वहां पर सियासी भूचाल आने लगता है। यही हाल में फिर हुआ है, इसी तरह चुनाव के मुहाने पर खडे राज्य उत्तरप्रदेश में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी एसआईआर का ड्राफ्ट रोल जारी हुआ था तो जमकर बहस हुई थीं। चुनाव आयोग ने बताया भी कि पहले चरण के बाद 2.89 करोड़ नाम काटे गए हैं इसका अंदाजा पहले से ही था। अभी तक जिन 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट लिस्ट आई है, वहां कुल मिलाकर 3.69 करोड़ नाम कटे हैं। दरअसल ड्राफ्ट लिस्ट फाइनल नहीं होती। लोगों के पास दावे और आपत्तियों के लिए अब भी मौका है, लेकिन यह प्रक्रिया सरल और आम नागरिकों की सुविधा का ख्याल रखने वाली होनी चाहिए। इसी तरह दस साल पहले जब बिहार में एसआईआर को अंजाम दिया गया था तो हड़कंप मच गया था।

वहां जारी शुरुआती लिस्ट में 65 लाख नाम कटे थे, जिसे लेकर काफी हंगामा मचा था। जब लिस्ट रिवाइज की गई, तो 17.9 लाख वोटर्स और बढ़ गए। ऐसा ही बदलाव अब उप्र और दिल्ली हीं नहीं उन राज्यों में भी देखने को मिल सकता है, जहां आपत्तियां ली जा रही है या अब ली जाएंगी। चुनाव से जुड़ी जरूरी प्रक्रिया होने के बावजूद एसआईआर को लेकर कई विवाद चलते रहे हैं। दुर्भाग्य से दूसरे चरण में जिन राज्यों में ड्राफ्ट रोल आ चुका है, वहां भी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे। खासकर बंगाल में सबसे ज्यादा असंतोष रहा है। हालांकि अब वहां चुनाव हो चुके हैं और आपत्ति करने वाले नेता सत्ता में भी नहीं रहे हैं। बंगाल राज्य की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर पर सवाल उठाए थे। उनकी पार्टी टीएमसी उन वोटर्स की मैपिंग में भी गड़बड़ी बताती रही जिनके नाम लिस्ट में नहीं थे। चुनाव आयोग ने डेटा जारी कर बताया कि इन नामों को किन-किन वजहों से काटा गया। यह स्पष्टीकरण अच्छी बात है, लेकिन जिनके नाम नहीं है, उन्हें उनके मताधिकार को हासिल करने के लिए हरसंभव मदद की जानी चाहिए।

इसमें राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे दावे-आपत्तियां दाखिल कराने, नाम चेक करने में आम लोगों की मदद करें। बिहार एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी जताई थी और पूछा था कि पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं व जनता के बीच इतनी दूरी क्यों है। दिल्ली में भी मतदाताओं को कहा गया है कि उनके पास दावे आपत्ति आदि के लिये 30 सितंबर तक मौका है। कुल मिलाकर लगभग 21 साल पहले हुए एसआईआर की यादें भी अब धुंधली है, क्योंकि तब इतना शोर नहीं मचा था। शायद इसकी वजह बदली राजनीतिक परिस्थितियां है।अभी कई सूबों में चुनाव होने हैं और एसआईआर को लेकर शोर या संदेह को सहेजना जरुरी है क्योंकि जनता का तंत्र पर पूरा भरोसा बना रहना ही चुनाव का असल पैमाना है।

सुविचार

न्याय और नीति लक्ष्मी के खिलौने हैं, वह जैसे चाहती है नचाती है।

ज्ञानवाणी

अनोखी दवाई

काफी समय से दादी की तबीयत बहुत खराब चल रही थी। घर में ही दो नर्स उनकी देखभाल में लगी रहती थीं। बड़े-बड़े डॉक्टर आ चुके थे, जाँचें हो चुकी थीं, दवाइयाँ बदल चुकी थीं, लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं था। आखिरकार डॉक्टरों ने हाथ खड़े कर दिए और कह दिया–अब जो भी सेवा करनी है, कर लीजिएज दवाइयाँ अपना असर नहीं दिखा रहीं।

घर का माहौल भारी हो गया। बेटे-बहू दोनों नौकरीपेशा थे, मजबूरी में बच्चों को हॉस्टल में रखा गया था। जब डॉक्टरों ने जवाब दे दिया, तो उन्होंने बच्चों को हॉस्टल से घर बुला लिया, ताकि वे दादी को आखिरी बार देख सकें। रोज़ सुबह माता-पिता ऑफिस चले जाते और बच्चे बार-बार दादी के कमरे में झाँकने जाते। एक दिन दादी ने बड़ी मुश्किल से आँखें खोलीं। बच्चों को देखते ही वे उनसे लिपट गए। मासूमियत से बोले,

दादी पापा कहते हैं कि आप बहुत अच्छा खाना बनाती हो। हमें हॉस्टल का खाना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता। क्या आप हमारे लिए खाना बनाओगी?

नर्स ने तुरंत बच्चों को डाँट दिया–अभी दादी को आराम चाहिए, बाहर जाओ।

लेकिन तभी एक चमत्कार हुआ। दादी अचानक उठ बैठीं और नर्स पर बरस पड़ीं–

खबरदार! मेरे बच्चों को डाँटने का हक़ किसने दिया? अभी जाओ यहाँ से।

नर्स हैरान रह गई। बोली, हम तो आपकी भलाई के लिए ही बच्चों को मना कर रहे हैं। ये बार-बार आते हैं, आपको डिस्टर्ब करते हैं, आपको आराम नहीं करने देते। दादी मुस्कुरा दीं।

इनको देखकर मेरी आँखों और दिल को जो सुकून मिलता है, वो तू क्या जाने? ऐसा कर, मुझे ज़रा नहाना है, बाथरूम तक ले चल।

नर्स अवाक थी। कल तक जो दादी बिस्तर से उठ नहीं पा रही थीं, आज उनमें यह ताकत कहाँ से आ गई? नहाने के बाद दादी ने रसोई में जाने की ज़िद की। नर्स ने मना किया, लेकिन दादी के आग्रह पर वह मदद करने लगी।

खाना बना। दादी ने बच्चों को बुलाया और कहा,

आज हम ज़मीन पर बैठकर खाएँगे, और खाना तुम लोग मेरे हाथ से खाओगे। दादी के चेहरे पर अजीब सी चमक थी। वे बच्चों को अपने हाथों से खिलाने लगीं। बच्चों ने भी प्यार से दादी के मुँह में निवाले दिए। दादी की आँखों से आँसू बह निकले।

बच्चों ने घबराकर पूछा, दादी, आपको दर्द हो रहा है क्या? मैं आपके पैर दबा दूँ?

दादी ने प्यार से सिर सहलाया–

नहीं बेटा आज तेरे बाप की याद आ गई। वो भी ऐसे ही मेरे हाथों से खाता था। लेकिन आज कामयाबी का ऐसा भूत चढ़ा है कि माँ के पास बैठकर खाना खाने का भी समय नहीं।

बच्चों ने कहा, दादी, आप ठीक हो जाओ। हम रोज़ आपके ही हाथ से खाना खाएँगे। हम हॉस्टल नहीं जाएँगे।

दादी ने बच्चों को सीने से लगा लिया।

यह सब देखकर नर्स की आँखें भी नम हो गईं। उसने ऐसा इलाज़ कभी नहीं पढ़ा था–न किताबों में, न अस्पताल में। यह दवाई थी अपनों के साथ की, प्यार की, अपनापन की।

दादी ने मुस्कुराकर कहा, आज के डॉक्टर और नर्स क्या जानें कि भारत में लोग सौ साल तक निरोगी कैसे रहते थे। छोटा सा गाँव, कोई सुविधा नहींज फिर भी हर घर में खुशहाली थी। परिवार साथ रहता था, मेहनत थी, प्यार था। वही असली दवा थी।

सेहत

मरुआ के फायदे

मरुआ एक आर्युवेदिक पौधा है. इसके पत्तों में पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, प्रोटीन और कैल्शियम, आयरन, विटामिन बी6 और मैग्नीशियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसका इस्तेमाल विभिन्न तरह की दवाइयों को बनाने में किया जाता है।

आइए जानते हैं मरुआ के कुछ प्रमुख स्वास्थ्य लाभ

1. सर्दी-जुकाम और खांसी में आराम

मरुआ की पत्तियां सर्दी-जुकाम और खांसी में आराम दिलाती हैं। इसके लिए आप मरुआ की पत्तियों को चाय में डालकर पी सकते हैं। आप चाहें तो मुलेठी भी डाल सकते हैं, जो खांसी को कम करने में मदद करती है।

2. पेट के कीड़े की समस्या को दूर करना

मरुआ की चटनी पेट के कीड़े की समस्या को दूर करती है। इसके लिए आप मरुआ की पत्तियों को पीसकर चटनी बना लें और इसे अपने बच्चों को खाने के लिए दें। यह पेट के कीड़े को नष्ट करने में मदद करता है।

3. अपच की समस्या को दूर करना

मरुआ की पत्तियां अपच की समस्या को दूर करने में भी लाभकारी हैं। इसके लिए आप मरुआ और अदरक की चटनी बना लें और इसे अपने भोजन के साथ खाएं। यह अपच की समस्या को दूर करने में मदद करता है।

4. कफ रोगियों के लिए गुणकारी

मरुआ कफ रोगियों के लिए गुणकारी है। इसका काढ़ा पीने से खांसी दूर होती है। फेफड़ों की सफाई होती है, साथ ही इससे गले में जमा बलगम भी आसानी से निकलता है।

5. मुंह की बदबू और मसूड़ों की समस्या को दूर करना

मरुआ के पत्ते मुंह की बदबू और मसूड़ों की समस्या को दूर करते हैं। इसके लिए आप मरुआ की पत्तियों को चबाएं और थूक दें। इससे आपके मुंह की दुर्गंध दूर होगी और मसूड़ों की समस्या भी दूर होगी।

नोट- मरुआ पौधे के फल और पत्तों को सेहत के लिए इस्तेमाल करने से पहले आप किसी आयुर्वेदिक एक्सपर्ट से ज़रूर विचार-विमर्श करें।

हिमालय पिघला तो प्रभावित होगा आधा एशिया

महेन्द्र तिवारी

हाल के वर्षों में हिमालय में ऐसी घटनाओं ने खतरे की गंभीरता को स्पष्ट किया है। वर्ष 2023 में सिक्किम की दक्षिण ल्होनक झील से जुड़ी हिमनद झील विस्फोट बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई थी। इसके बाद सिक्किम में कई उच्च जोखिम वाली हिमनद झीलों की पहचान की गई। अब वहां जोखिम का आकलन, जल निकासी और प्रारंभिक चेतावनी जैसी व्यवस्थाओं पर अधिक जोर दिया जा रहा है। हाल की घटनाओं ने हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति क्षेत्र में भी चिंता बढ़ाई है। गेपन झील के संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने 32 संवेदनशील स्थानों की पहचान की है और प्रारंभिक चेतावनी व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी की जा रही है।

हिमालय को केवल दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला मानना उसके महत्व को बहुत छोटा करके देखना होगा। हिमालय एशिया की जीवन रेखा है। इसकी बर्फीली चोटियों और हिमनदों से निकलने वाली नदियां करोड़ों नहीं, बल्कि अरबों लोगों के जीवन को सहारा देती हैं। गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी विशाल नदी प्रणालियां हिमालय के हिमनदों, हिमपात और वर्षा से पोषित होती हैं। यही कारण है कि हिमालय में होने वाला कोई भी बड़ा परिवर्तन केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव खेतों, शहरों, उद्योगों, बिजलीघरों और आम लोगों के घरों तक पहुंचता है। आज यही हिमालय जलवायु परिवर्तन के कारण गंभीर बदलाव से गुजर रहा है और इसके हिमनदों का तेजी से पिघलना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है।

हिमालय तथा हिंदूकुश क्षेत्र में हजारों हिमनद मौजूद हैं। यह क्षेत्र ध्रुवीय क्षेत्रों के बाद बर्फ और हिम का सबसे बड़ा भंडार माना जाता है। इन हिमनदों से निकलने वाला पानी एशिया की प्रमुख नदी घाटियों को जीवन देता है। अंतरराष्ट्रीय पर्वतीय विकास केंद्र के अनुसार इस क्षेत्र के हिमनदों और हिमपात पर लगभग 2 अरब लोगों की जल सुरक्षा निर्भर है। हिमनदों का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि वे पानी का विशाल भंडार हैं, बल्कि इसलिए भी है कि वे वर्ष भर नदियों में पानी के प्रवाह को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेषकर गर्मियों और वर्षा से पहले के महीनों में हिमनदों से मिलने वाला पानी कृषि और घरेलू आवश्यकताओं के लिए बेहद उपयोगी होता है।

लेकिन बढ़ते तापमान ने इस प्राकृतिक व्यवस्था को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। तापमान बढ़ने से हिमनदों का बर्फीला क्षेत्र सिकुड़ रहा है। कई स्थानों पर हिमनद पीछे हट रहे हैं और उनके सामने या आसपास पानी जमा होकर नई झीलें बन रही हैं। कुछ पुरानी हिमनद झीलों का आकार भी लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण यही है कि इन झीलों में जमा पानी प्राकृतिक बांधों पर दबाव बढ़ाता है। यदि बर्फ, पत्थर और मिट्टी से बनी यह प्राकृतिक दीवार टूट जाए तो अचानक बड़ी मात्रा में पानी नीचे की ओर बह सकता है। ऐसी घटना को हिमनद झील विस्फोट बाढ़ कहा जाता है।

हिमनद झील विस्फोट बाढ़ सामान्य बाढ़ से अलग होती है। सामान्य बाढ़ में पानी धीरे-धीरे बढ़ सकता है, जिससे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का कुछ समय मिल जाता है। इसके विपरीत हिमनद झील के अचानक टूटने पर पानी अत्यंत तेजी से नीचे की घाटियों में पहुंचता है। रास्ते में आने वाले पुल, सड़कें, घर, खेत, बिजली परियोजनाएं और अन्य निर्माण इसकी चपेट में आ सकते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों की संकरी घाटियां इस खतरे को और गंभीर बना देती हैं क्योंकि पानी के बहाव को फैलने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिलता।

हाल के वर्षों में हिमालय में ऐसी घटनाओं ने खतरे की गंभीरता को स्पष्ट किया है। वर्ष 2023 में सिक्किम की दक्षिण ल्होनक झील से जुड़ी हिमनद झील विस्फोट बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई थी। इसके बाद सिक्किम में कई उच्च जोखिम वाली हिमनद झीलों की पहचान की गई। अब वहां जोखिम का आकलन, जल निकासी और प्रारंभिक चेतावनी जैसी व्यवस्थाओं पर अधिक जोर दिया जा रहा है। हाल की घटनाओं ने हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति क्षेत्र में भी चिंता बढ़ाई है। गेपन झील के संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने 32 संवेदनशील स्थानों की पहचान की है और प्रारंभिक चेतावनी व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी की जा रही है। नेपाल में हाल की विनाशकारी घटना ने इस संकट को और गंभीर रूप से सामने ला दिया है। हिमालयी क्षेत्र में हिमनद और चट्टानों के अस्थिर होने तथा अचानक आने वाली बाढ़ ने बड़े पैमाने पर जान-माल को नुकसान पहुंचाया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि तापमान में वृद्धि के साथ हिमालयी क्षेत्र में हिमनद झीलों से जुड़ी बाढ़ का खतरा आने वाले वर्षों में और बढ़ सकता है। नेपाल, भारत और चीन के हिमालयी हिस्से इस खतरे से विशेष रूप से प्रभावित हो सकते हैं।

इस संकट का दूसरा पक्ष भी कम गंभीर नहीं है। हिमनदों के पिघलने से शुरुआत में नदियों में पानी की मात्रा बढ़ सकती है, लेकिन जब हिमनद लगातार छोटे होते जाएंगे तो लंबे समय में शुष्क मौसम के दौरान नदियों में पानी कम होने का खतरा बढ़ेगा। इसका सीधा असर कृषि पर पड़ेगा। जिन क्षेत्रों में सिंचाई का आधार हिमनद और हिमपात से मिलने वाला पानी है, वहां किसानों के सामने नई चुनौती खड़ी हो सकती है। पानी की कमी खाद्य उत्पादन को प्रभावित करेगी और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी दबाव बढ़ सकता है। जल-विद्युत क्षेत्र के लिए भी हिमालयी बदलाव गंभीर चेतावनी है। भारत, नेपाल और भूटान में अनेक जल-विद्युत परियोजनाएं पर्वतीय नदियों पर निर्भर हैं। यदि अचानक हिमनद झील विस्फोट बाढ़ आती है तो बिजली परियोजनाओं के साथ-साथ निर्माणाधीन बांध, सुरंगें, पुल और विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। हाल की हिमालयी आपदाओं ने दिखाया है कि पर्वतीय क्षेत्रों में बनी आधारभूत संरचनाओं को केवल सामान्य बाढ़ के आधार पर सुरक्षित मानना पर्याप्त नहीं होगा। भविष्य की योजनाओं में हिमनद झीलों, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ के संयुक्त खतरे को शामिल करना होगा।

हिमालय का संकट केवल पानी और आपदा तक सीमित नहीं है। हिमनदों के पीछे हटने से पर्वतीय पारिस्थितिकी भी बदल रही है। वनस्पतियों, वन्यजीवों और स्थानीय समुदायों की जीवन पद्धति पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। पहाड़ों में रहने वाले लोगों की आजीविका कृषि, पशुपालन, पर्यटन और स्थानीय जल स्रोतों से जुड़ी होती है। यदि जल स्रोतों का स्वरूप बदलता है तो उन्हें अपने पारंपरिक जीवन और रोजगार के तरीकों में बदलाव करना पड़ सकता है। इसीलिए हिमालयी जलवायु संकट को केवल पर्यावरण की समस्या समझना उचित नहीं होगा। यह सामाजिक और आर्थिक संकट भी है।

एक और चिंताजनक संकेत हिमपात में कमी है। हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में वर्ष 2025 लगातार तीसरा ऐसा वर्ष रहा जिसमें मौसमी हिमपात सामान्य से कम रहा। अंतरराष्ट्रीय पर्वतीय विकास केंद्र ने इसे जल सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी माना था। हिमपात कम होने का अर्थ केवल पहाड़ों पर कम बर्फ होना नहीं है। इसका प्रभाव आने वाले महीनों में नदियों और जल स्रोतों के प्रवाह पर भी पड़ सकता है।

इस चुनौती से निपटने के लिए केवल आपदा आने के बाद राहत पहुंचाना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे पहले हिमनद झीलों की नियमित निगरानी आवश्यक है। उपग्रह चित्रों, दूरसंवेदी तकनीक, मौसम संबंधी आंकड़ों और जमीन पर किए जाने वाले वैज्ञानिक निरीक्षणों को एक साथ जोड़ना होगा।

जिन झीलों को अत्यधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है, वहां जलस्तर की निरंतर निगरानी और प्रारंभिक चेतावनी व्यवस्था होनी चाहिए। संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की स्पष्ट योजना भी तैयार करनी होगी। इसके साथ ही भारत, नेपाल, भूटान और चीन के बीच हिमालय से संबंधित वैज्ञानिक आंकड़ों का नियमित आदान-प्रदान जरूरी है। नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानतीं। ऊपर पहाड़ों में हुई घटना का प्रभाव नीचे दूसरे देश में भी पहुंच सकता है।

समंदर की उफनती लहरें और कंक्रीट का ढहता गुरूर

अशोक भाटिया

संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट ने एक बार फिर उस कड़वी और भयावह हकीकत को हमारे सामने ला खड़ा किया है, जिससे हम लगातार अपनी आँखें मूँदने की कोशिश करते रहे हैं। मुंबई, कोलकाता और ढाका जैसे दक्षिण एशिया के सबसे जीवंत, आर्थिक रूप से समृद्ध और घनी आबादी वाले महानगरों के समुद्र में समा जाने की चेतावनी अब किसी हॉलीवुड विज्ञान-कथा (साइंस-फिक्शन) का हिस्सा नहीं रह गई है, बल्कि यह हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही एक ऐसी आसन्न त्रासदी है जिसकी पटकथा हमने खुद लिखी है। सोशल मीडिया और सनसनीखेज खबरों के इस दौर में भले ही इन शहरों के रातों-रात पानी में डूब जाने की अफवाहें उड़ाई जा रही हों, लेकिन इस अतिशयोक्ति के पीछे छिपा वास्तविक सच किसी महाविनाश से कम नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी के अनुसार, दक्षिण एशिया के इन निचले डेल्टा क्षेत्रों में रहने वाले लगभग डेढ़ करोड़ लोग आने वाले दशकों में हमेशा के लिए बेघर हो सकते हैं। यह केवल कुछ शहरों के भूगोल के बदलने का संकट नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता, अर्थव्यवस्था और हमारी संप्रभुता के अस्तित्व पर एक ऐसा प्रहार है, जिसकी भरपाई आने वाली कई सदियाँ भी नहीं कर पाएँगी।

इस संकट की जड़ें केवल समुद्र के बढ़ते जलस्तर में नहीं हैं, बल्कि आधुनिक विकास के उस अंधे मॉडल में हैं जिसने प्रकृति को हमेशा अपनी दासी समझा है। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई का उदाहरण हमारे सामने है। सात टापुओं को आपस में जोड़कर और समंदर को पाटकर खड़ी की गई यह अट्टालिकाएँ आज अपने ही बोझ से दबी जा रही हैं। कंक्रीट के इस जंगल ने जमीन के भीतर की उन नसों को सुखा दिया है जो पानी को सोखती थीं। भूजल के अंधाधुंध दोहन के कारण मुंबई की जमीन हर साल कुछ मिलीमीटर नीचे धंस रही है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में लैंड सबसिडेंस कहा जाता है। एक तरफ ऊपर से बढ़ता समंदर और दूसरी तरफ नीचे धंसती जमीन–मुंबई आज प्रकृति के दोहरे शिकंजे में है। हर साल मानसून में मुंबई की सड़कों पर दिखने वाला समंदर दरअसल प्रकृति का वह उग्र रूप है जो हमें याद दिलाता है कि जिसे हम विकास कह रहे हैं, वह दरअसल विनाश का एक धीमा जहर है। दूसरी ओर, कोलकाता और ढाका की स्थिति और भी अधिक संवेदनशील और भौगोलिक रूप से चिंताजनक है। ये दोनों ही महानगर दुनिया के सबसे बड़े गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना डेल्टा के मुहाने पर बसे हैं। समुद्र तल से नाममात्र की ऊंचाई पर स्थित होने के कारण, बंगाल की खाड़ी में होने वाली मामूली हलचल भी इन शहरों के अंतःकरण को हिलाकर रख देती है।

जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवातों की आवृत्ति और उनकी तीव्रता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। अम्फान, यास और रेमल जैसे चक्रवातों ने हाल के वर्षों में जो तबाही मचाई है, वह केवल एक झांकी थी। समुद्र का खारा पानी अब केवल तटीय इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह नदियों के रास्ते इन महानगरों के मीठे पानी के स्रोतों और कृषि योग्य भूमि को नष्ट कर रहा है। ढाका, जो कभी अपनी मलमल और नदियों के लिए जाना जाता था, आज दुनिया के सबसे प्रदूषित और जलवायु रूप से संवेदनशील शहरों में से एक बन चुका है। बांग्लादेश के ग्रामीण इलाकों से हर साल लाखों लोग जलवायु शरणार्थी (क्लाइमेट रिफ्यूजी) बनकर ढाका की झुग्गियों में पनाह ले रहे हैं, जिससे इस शहर का ढांचा पूरी तरह चरमरा गया है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक समुद्र का जलस्तर अब तक की सबसे तेज गति से बढ़ रहा है। ग्लेशियरों का पिघलना और गर्म होते महासागरों के पानी का फैलाव कोई ऐसी प्रक्रिया नहीं है जिसे हम रातों-रात रोक सकें। इस संकट का सबसे क्रूर पहलू यह है कि जिन देशों और आम नागरिकों ने वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे कम योगदान दिया है, वे ही इस त्रासदी की पहली कतार में खड़े हैं। मुंबई की झोपड़पट्टियों में रहने वाला मजदूर, सुंदरवन के द्वीपों पर खेती करने वाला किसान या ढाका की फैक्ट्रियों में काम करने वाला आम नागरिक–ये वे लोग हैं जिनके पास इस आपदा से बचने के लिए कोई एयर-कंडीशनर कमरा या किसी ऊंचे पहाड़ पर बना दूसरा घर नहीं है। जब समंदर का पानी बस्तियों में घुसेगा, तो यह अमीर और गरीब की खाई को पाटते हुए सबको अपनी चपेट में लेगा, लेकिन सबसे पहले और सबसे बुरी तरह वही कुचला जाएगा जो आर्थिक रूप से कमजोर है।

संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट को केवल एक चेतावनी मानकर फाइलों में बंद कर देना सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूल होगी। यह समय वैश्विक नेताओं के लिए खोखले वादों और जलवायु सम्मेलनों में लंबी-चौड़ी घोषणाएँ करने का नहीं, बल्कि जमीन पर सख्त और ठोस कार्रवाई करने का है। हमें यह समझना होगा कि पारंपरिक इंजीनियरिंग के तरीके, जैसे कि केवल तटीय दीवारें खड़ी कर देना या ड्रेनेज सिस्टम को थोड़ा साफ कर देना, अब इस महासंकट का समाधान नहीं कर सकते। हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीने की कला को दोबारा सीखना होगा। तटीय क्षेत्रों में मैंग्रोव (सदाबहार वन) की रक्षा करना हमारा सबसे पहला रक्षा कवच होना चाहिए। मैंग्रोव के जंगल केवल पेड़ नहीं हैं, बल्कि वे समंदर की उग्र लहरों की गति को थामने वाले प्रकृति के अपने सैनिक हैं। दुर्भाग्य से, शहरीकरण और रिसॉर्ट्स बनाने के नाम पर हमने इन प्राकृतिक दीवारों को खुद ही ढहा दिया है।

इसके साथ ही, शहरी नियोजन (टाउन प्लानिंग) के सिद्धांतों में एक क्रांतिकारी बदलाव की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि 'स्पंज सिटी' (Sponge City) जैसी अवधारणाओं को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए, जहाँ कक्रीट की जगह ऐसी सतहें बनाई जाती हैं जो बारिश के पानी को सोख सकें और उसे वापस जमीन के भीतर भेज सकें। मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में झीलों, तालाबों और आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) को पुनर्जीवित करना होगा, जिन्हें भू-माफियाओं ने लालच की वेदी पर चढ़ा दिया है। यह आर्द्रभूमियाँ शहरों के 'फेफड़े और गुर्दे' की तरह काम करती हैं, जो न सिर्फ बाढ़ के पानी को रोकती हैं बल्कि पर्यावरण का संतुलन भी बनाए रखती हैं।

इस वैश्विक संकट का एक और अत्यंत संवेदनशील पहलू है, जिसका जिक्र करने से अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंच कतराते रहे हैं–और वह है 'जलवायु शरणार्थियों' का पुनर्वास। यदि संयुक्त राष्ट्र की भविष्यवाणी सच होती है और डेढ़ करोड़ लोग विस्थापित होते हैं, तो दक्षिण एशिया में एक अभूतपूर्व मानवीय संकट पैदा हो जाएगा। यह संकट केवल सीमाओं के भीतर का नहीं रहेगा, बल्कि यह दो देशों के बीच के राजनीतिक और सामाजिक संबंधों को भी तनावपूर्ण बना देगा। भारत और बांग्लादेश के बीच पहले से ही प्रवास एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहा है।

ऐसे में यदि ढाका या सुंदरवन का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न होता है, तो आबादी का जो पलायन होगा, उसे संभाल पाना किसी भी सरकार के लिए अकेले संभव नहीं होगा। इसलिए, इस मुद्दे पर एक क्षेत्रीय और वैश्विक पुनर्वास नीति का होना अनिवार्य है, जिसमें विकसित देशों को आर्थिक और नैतिक जिम्मेदारी उठानी होगी, क्योंकि वैश्विक पर्यावरण को बिगाड़ने में सबसे बड़ा हाथ उन्हीं का रहा है।

घोषणा के दो साल बाद भी नहीं मिली धर्मशाला की जमीन

▸ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के मंच से उठा सवाल, विधायक ने 10 लाख की घोषणा की

रायसेन (नि.प्र.) **सितंबर. श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के भव्य आयोजन के दौरान यादव समाज की धर्मशाला का मुद्दा अचानक गरमा गया.**

सुल्तानगंज बस स्टैंड पर आयोजित कार्यक्रम में मंच से युवा यादव महासभा के जिला मंत्री आशीष यादव ने धर्मशाला के लिए की गई घोषणाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्ष 2024 में बेगमगंज और वर्ष 2025 में सुल्तानगंज के जन्माष्टमी कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र पटेल ने धर्मशाला निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की थी. वहीं पूर्व विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री रामपाल सिंह राजपूत द्वारा धर्मशाला के लिए जमीन उपलब्ध कराने की घोषणा किए जाने की बात कही गई. आशीष यादव ने कहा कि जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण धर्मशाला निर्माण का काम अब तक शुरू नहीं हो सका है. मामला मंच पर उठा तो भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिराम यादव ने सफाई देते हुए कहा कि जमीन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है. इसके बाद विधायक देवेंद्र पटेल ने मंच से अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि सरकारी जमीन मिलती है तो ठीक है, अन्यथा समाज जमीन खरीदे. उन्होंने धर्मशाला के लिए घोषित 10 लाख रुपए देने के साथ जमीन खरीदने में भी सहयोग करने की बात कही. अब सवाल यह है कि वर्षों से चली आ रही घोषणा के बाद धर्मशाला के लिए जमीन कब मिलेगी और निर्माण कब शुरू होगा

डंपर की चपेट में आने से युवक की मौत

▸ परिजनों ने रोड पर शव रखकर किया चक्काजाम

रायसेन (नि.प्र.) **बुधनी से बाड़ी तक निर्माणाधीन फोरलेन हाईवे पर डंपर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान राज चौहान पिता राजेश चौहान निवासी बाबई के रूप में हुई है. हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों और परिजनों शव रखकर चक्काजाम कर दिया.**

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुबह निर्माणाधीन फोरलेन पर गिट्टी और राखड़ लेकर आने-जाने वाले डंपरों की लगातार आवाजाही के कारण जाम की स्थिति बनी हुई थी. कई स्थानों पर मार्ग सिंगल लेन था. इसी दौरान एक डंपर की चपेट में युवक आ गया. युवक की मौके पर ही मौत हो गई. बाड़ी एसडीओपी नीलम चौधरी ने बताया कि बाड़ी थाने को रविवार सुबह सूचना प्राप्त हुई कि बढ़िया के पास एक डंपर की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है जांच की जा रही है जांच के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी. परिजनों ने मृतक का शव सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया. काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा. परिजनों और ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में लगे भारी वाहनों की रफ्तार तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जमकर नाराजगी जताई. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची समझाइश के बाद चक्काजाम समाप्त किया.

एक नजर में

बम्होरी में साहू समाज ने किया शिक्षकों का सम्मान

रायसेन (नि.प्र.) शिक्षक दिवस पर तैलिक साहू समाज समिति रायसेन के शिक्षक प्रकोष्ठ द्वारा तहसील बम्होरी में सामाजिक शिक्षकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में शिक्षकों को शाल, श्रीफल एवं प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का आयोजन शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कोठारी राजेश साहू जी सानिध्य में किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा जिला अध्यक्ष कोठारी शिवकुमार साहू, जिला किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष गोविंद प्रसाद साहू, तहसील अध्यक्ष रेवाराम साहू, युवा जिला महामंत्री राजेश साहू, नगर अध्यक्ष बम्होरी रामबाबू साहू एवं नगर उपाध्यक्ष बम्होरी ठाकुरदास साहू उपस्थित रहे. इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक अयोध्याप्रसाद साहू, सेवानिवृत शिक्षक मीरा बाई साहू, शिक्षक पुरुषोत्तम साहू, शिक्षिका गीता साहू, प्रियंका साहू, मोहनी साहू, प्रियंका साहू एवं कुमारी शिखा साहू सहित सामाजिक शिक्षकों का सम्मान किया गया.

मूर्ति स्थापना कार्यक्रम का सलामतपुर में बांटा निमंत्रण

रायसेन (नि.प्र.) रायसेन के कलईपुरा स्थित संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर में 10 सितंबर को मूर्ति स्थापना समारोह और समरसता भोज का आयोजन किया जाएगा. लोगों को कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए सलामतपुर, बेरखेड़ी, मुक्तापुर और गाड़रखेड़ी सहित आसपास के गांवों एवं क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया. कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रण पत्र बांटे और सपरिवार उपस्थित होने की अपील की. आयोजन की शुरुआत 10 सितंबर को सुबह 10 बजे श्रीराम परिसर (रायसेन) से भव्य कलश यात्रा के साथ होगी. यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई भोपाल रोड, वार्ड नंबर 17 स्थित संत रविदास मंदिर कलईपुरा पहुंचेगी. मंदिर प्रांगण में संत रविदास जी महाराज की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी. कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी सहित कई गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि मुख्य रूप से शामिल होंगे. आयोजन समिति ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धार्मिक एवं सामाजिक समरसता के इस भव्य कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है.

10 सितंबर को निकलेगी विशाल वाहन रैली

रायसेन (नि.प्र.) जिला रायसेन के सांची जनपद क्षेत्र में स्थित भैरव बाबा मंदिर में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की प्रखंड बैठक आयोजित की गई. बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर 10 सितंबर को दोपहर 12:00 बजे एक भव्य एवं विशाल वाहन रैली निकाली जाएगी. यह वाहन रैली नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए सांची रामलीला मैदान पहुँचेगी, जहाँ इसका समापन होगा. समापन अवसर पर वक्ताओं द्वारा स्थापना दिवस के महत्व और संगठन के उद्देश्यों पर विचार व्यक्त किए जाएंगे. बैठक में जिला एवं प्रखंड स्तर के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे. मुख्य रूप से गोपाल राठौर जिला उपाध्यक्ष, शिवनारायण बघेल जिला सह गोरक्षा प्रमुख, अनूप अग्रवाल जिला सह संयोजक, सुमेरसिंह ठाकुर जिला सह मंत्री, पंडित देवेन्द्र शर्मा प्रखंड अध्यक्ष विहिप सांची, प्रहलाद प्रजापति प्रखंड सह गौरक्षा प्रमुख, गौरव राजपूत नगर अध्यक्ष और गोविंद राजपूत नगर मंत्री शामिल हुए. विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस के अवसर पर रायसेन जिले के श्री सिद्धेश्वरी मंदिर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने स्थापना दिवस मनाया और भारत माता एवं भगवान श्री कृष्णा की पूजा अर्चना एवं आरती की.

खेत के कुएं में मिली महिला की लाश

▸ परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

रायसेन (नि.प्र.) **रविवार को सिलवानी थाना क्षेत्र के ग्राम रानीपुरा में खेत में बने कुएं में महिला की लाश मिलने से सनसनी फैल गई. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल सिलवानी भेजा. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया.**

जानकारी के अनुसार आरती आदिवासी (28) पिता प्रीतम आदिवासी ने करीब दो वर्ष पूर्व प्रदीप रघुवंशी (30), निवासी भानपुर, हाल निवासी बेगवा खुर्द सिलवानी से प्रेम विवाह किया था. विवाह के बाद आरती अपने पति के साथ पिता के घर ग्राम रानीपुरा में रह रही थी. दंपती की छह माह की बच्ची भी है. परिजनों के मुताबिक पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था. रविवार सुबह भी दोनों के बीच विवाद हुआ था. इसके बाद दोनों खेत में काम करने चले गए. कुछ देर बाद आरती की छोटी बहन खेत पहुंची तो उसने आरती को कुएं में पड़ा देखा. इसके बाद उसने शोर मचाकर परिजनों को सूचना दी. घटना की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी. परिजनों ने आरती के पति प्रदीप रघुवंशी पर हत्या कर शव कुएं में फेंके जाने की आशंका जताई है.

सिलवानी थाना प्रभारी संजीत परते ने बताया कि ग्राम रानीपुरा में प्रीतम आदिवासी के खेत स्थित कुएं से महिला का शव बरामद कर पोस्टमार्टम कराया गया है. शव परिजनों को सौंप दिया गया है. मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा.

सात जुआरी दबोचे, 32,600 रुपए जब्त

रायसेन (नि.प्र.) शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम चिरोली में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं. थाना प्रभारी रामविलोचन शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चिरोली पहुंचकर सात जुआरियों को जुआ खेलते हुए धर दबोचा. पुलिस ने मौके से ताश के 52 पत्ते 32,600 रुपए जब्त किए. आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई. थाना प्रभारी शर्मा ने कहा कि क्षेत्र में जुआ-सट्टे पर पूरी तरह लगाम कसने के लिए पुलिस लगातार निगरानी रख रही है.

दो हजार लीटर कच्ची शराब नष्ट

रायसेन (नि.प्र.) **क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने सांची पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है. मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर थाना प्रभारी रामविलोचन शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम गुलगांव के ज्ञानपुरा क्षेत्र स्थित पारदी मोहल्ले में छापेमारी कर अवैध रूप से कच्ची शराब तैयार किए जाने का खुलासा किया.**

पुलिस ने मौके से करीब दो हजार लीटर कच्ची शराब बरामद कर उसे मौके पर ही नष्ट कराया. वहीं एक अन्य घर में कच्ची शराब तैयार करते हुए आरोपी राधिका मोगिया को शराब से भरी कुप्पी सहित पकड़ा गया. पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसके विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है. थाना प्रभारी शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. पुलिस को लगातार मुखबिरों से सूचनाएं मिल रही हैं और इसी के आधार पर कार्रवाई की जा रही है. उन्होंने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी.

स्कूल भवन तोड़ने में प्राचार्य दोषी

▸ साईंखेड़ा पुराने हायर सेकेंडरी स्कूल मामला

रायसेन (नि.प्र.) **साईंखेड़ा स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में बिना सक्षम अनुमति पुराने शासकीय भवन को तुड़वाकर उसकी निर्माण सामग्री नए निर्माण कार्यों में उपयोग करने के मामले में शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल के मामले मे जांच कराई गई थी, जांच में प्राचार्य हेमलता दास को दोषी पाया गया है.**

जिला शिक्षा अधिकारी रायसेन ने जांच प्रतिवेदन 17 जुलाई 2026 को विभागीय कार्रवाई के लिए लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल के आयुक्त कार्यालय भेज दिया है. इस बीच मामले ने नया मोड़ ले लिया है. ग्रामीणों ने अब स्कूल के समस्त वित्तीय लेन-देन, विभिन्न योजनाओं से प्राप्त शासकीय राशि और उसके उपयोग की भी उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई है. ग्रामीणों की शिकायत के बाद सामने आए इस मामले में आरोप था कि स्कूल के पुराने शासकीय भवन को बिना सक्षम अनुमति के तुड़वा दिया गया और उसकी ईंटों सहित अन्य निर्माण सामग्री का उपयोग नए स्कूल परिसर की बाउंड्रीवाल व अन्य निर्माण कार्यों में कर लिया गया. मामले को लेकर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी और एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर जांच की मांग की थी. शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी डीडी रजक ने प्राचार्य को नोटिस देकर जवाब तलब किया. इसके बाद जिला परियोजना समन्वयक डीपीसी द्वारा कराई गई जांच में अनियमितता की पुष्टि हुई और प्राचार्य हेमलता दास को जिम्मेदार माना गया. जांच रिपोर्ट के आधार पर विभागीय कार्रवाई के लिए पूरा प्रतिवेदन भोपाल भेज दिया गया है.

इनका कहना है

साईंखेड़ा हायर सेकेंडरी स्कूल मामले की जांच में प्राचार्य दोषी पाई गई हैं. जांच प्रतिवेदन 17 जुलाई 2026 को लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त कार्यालय भेज दिया गया है, जहां से आगे की विभागीय कार्रवाई की जाएगी.

- डीडी रजक, जिला शिक्षा अधिकारी, रायसेन

शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का किया सम्मान

रायसेन (नि.प्र.) **सितंबर.शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु-शिष्य की परंपरा की खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों का सम्मान कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की. वहीं शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को जीवन में सफलता हासिल करने के लिए अनुशासन, संस्कार और मेहनत को सबसे जरूरी बताया.**

शिक्षक दिवस पर विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में छात्र-छात्राओं ने अपने गुरुजनों का तिलक लगाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया. विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति अपने विचार साझा करते हुए कहा कि शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की सही दिशा भी दिखाते हैं. इस मौके पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को सफलता के कई महत्वपूर्ण मंत्र दिए. उन्होंने कहा कि अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी है, जबकि मेहनत, समय का सदुपयोग और अच्छे संस्कार व्यक्ति को लक्ष्य तक पहुंचाते हैं. शिक्षकों ने विद्यार्थियों से मोबाइल और अन्य भटकाव से दूर रहकर पढ़ाई के साथ अपने व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देने की अपील की. कार्यक्रम में गुरु-शिष्य के बीच सम्मान, स्नेह और अपनापन देखने को मिला.

दो करोड़ खर्च, फिर भी अंधेरा

▸ मुख्य मार्गों ,कई वार्डो में नहीं बंद है स्ट्रीट लाइट

रायसेन (नि.प्र.) **नगरपालिका परिषद द्वारा जब से बिजली व्यवस्था का संचालन -संधारण निजी ठेके पर दिया है , तब से स्ट्रीट लाइट व्यवस्था चरमरा गई है.**

इन दिनों मुख्य मार्ग सागर - भोपाल रोड सहित नगर के अन्य मुख्य मार्गों एवं गलियों में वर्षा काल में भी कई जगह अंधेरा पसरा हुआ है. 4 हजार पोलो में जिन पर बल्व जल रहे हैं, उनकी टिमटिमाती रोशनी सड़कों को पूरी तरह से रोशन नहीं कर पा रही है. नगर के 18 वार्डो में मूलभूत सुविधाएं स्ट्रीट लाइट , पेयजलापूर्ति एवं साफसफाई की व्यवस्था का जिम्मा नगर सरकार के पास रहता है. अब स्ट्रीट लाइट का ठेका दो निजी ठेकेदारों के हाथों में जाने से व्यवस्था से चरमरा गई है. कुछ पार्षदों ने विद्युत सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए बताया कि घटिया एवं चाइनीज सामग्री होने से एक सप्ताह चलने के बाद फ्यूज हो जाते हैं. ई -स्मार्ट एनर्जी के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर दिलीप मिश्रा का कहना है कि उनके संज्ञान में आया है ,तो व्यवस्था को ठीक कराया जाएगा. सीएमओ राजेंद्र शर्मा का कहना है कि संबंधित ठेकेदारों से व्यवस्था ठीक कराई जा रही है. यदि कहीं पर्याप्त प्रकाश नहीं है तो उन्हें भी बदलवाया जा रहा है.

सड़क पर अतिक्रमण, संकरा रास्ता बना हादसों का पॉइंट

▸ हाईवे से गोदाम तक वाहन मोड़ने में होती है परेशानी

▸ `अतिक्रमण हटाकर सड़क निर्माण की मांग

रायसेन (नि.प्र.) **सितंबर. सुल्तानगंज कस्बे में सड़क तक फैले अतिक्रमण से अब लोगों के लिए परेशानी के साथ-साथ हादसे का खतरा भी बढ़ा रहा है. बस स्टैंड चौराहे के पास हाईवे से शासकीय उचित मूल्य की दुकान और उसके गोदाम तक जाने वाला रास्ता अतिक्रमण के कारण बेहद संकरा हो गया है.**

इसी स्थान पर घाट होने के कारण बड़े वाहनों की आवाजाही और भी मुश्किल हो जाती है. ग्रामीणों के अनुसार, हाईवे से जब राशन से भरा ट्रक गोदाम की ओर मुड़ता है तो संकरे रास्ते के कारण उसे एक ही बार में मोड़ना संभव नहीं होता. चालक को कई बार वाहन को आगे-पीछे करना पड़ता है. इस दौरान वाहन का कुछ हिस्सा हाईवे पर ही रहता है, जिससे मुख्य मार्ग से गुजरने वाले अन्य वाहनों के साथ हादसे का खतरा बना रहता है. राशन दुकान के सेल्समैन शिवराज सिंह यादव का कहना है कि गोदाम तक राशन पहुंचाने वाले बड़े वाहनों को संकरे रास्ते के कारण काफी परेशानी होती है. हाईवे से वाहन को गोदाम की ओर मोड़ते समय पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण चालक को बार-बार आगे-पीछे करना पड़ता है. ग्रामीण देवी चौधरी, राजू और आशीष सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण रास्ता लगातार संकरा होता जा रहा है. वहीं, इसी स्थान पर घाट होने से वाहन मोड़ते समय स्थिति और ज्यादा जोखिम भरी हो जाती है.

ग्रामीणों के मुताबिक, हाईवे पर वाहनों की आवाजाही के बीच बड़े ट्रक को सड़क पर ही आगे-पीछे कर मोड़ना पड़ता है. ऐसे में गंभीर हादसा हो सकता है. ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर सड़क की स्थिति की जांच कराने की मांग की है. उनका कहना है कि यदि जांच में अतिक्रमण पाया जाता है तो उसे तत्काल हटाया जाए. साथ ही हाईवे से शासकीय उचित मूल्य की दुकान और गोदाम तक जाने रास्ते का निर्माण, चौड़ा किया जाए. सुल्तानगंज सेवा सहकारी समिति प्रबंधक राजेंद्र सिंह ठाकुर का आरोप है कि सड़क की समस्या को लेकर ग्राम पंचायत को पूर्व में अवगत करवाया गया था,किंतु समाधान नहीं हुआ अब उच्च अधिकारियों को पत्र लिख कर अवगत करवाएंगे.

समस्या ▸ बेरखेड़ी टुंडा में श्मशान घाट भी जर्जर, बारिश में अंतिम संस्कार में होती है परेशानी

दलदल, कीचड़ में से ले जाना पड़ा अंतिम यात्रा

रायसेन (नि.प्र.) **विकास के बड़े-बड़े दावों और कागजी योजनाओं की जमीनी हकीकत देखनी हो, तो सांची विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत खोहा के ग्राम बेरखेड़ी टुंडा का रुख किया जा सकता है.**

जहां इंसान को जीते जी मूलभूत सुविधाएं मिले न मिले, लेकिन मरणोपरांत मिलने वाली अंतिम विदाई भी यहां कीचड़ और बदहाली की भेंट चढ़ रही है. गांव में श्मशान घाट तक जाने के लिए न तो पक्की सड़क है और न ही शवदाह के लिए कोई सुरक्षित छत. रविवार को हुई एक घटना ने प्रशासनिक उदासीनता और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली की पोल खोलकर रख दी है. मामला बेरखेड़ी टुंडा का है, जहां रविवार को ग्रामीण नारायण सिंह अहिरवार का निधन हो गया. उनके निधन के बाद परिजनों और ग्रामीणों पर दुखों का पहाड़ तो टूटा ही, लेकिन इसके बाद श्मशान घाट की ओर जाने वाला कच्चा रास्ता पूरी तरह दलदल और कीचड़ में तब्दील हो चुका था. पक्की सड़क के अभाव में ग्रामीणों को अपने कंधों पर अर्थी लेकर फिसलन भरे रास्ते से बेहद जोखिम उठाकर गुजरना पड़ा. अंतिम यात्रा में शामिल लोग खुद को संभालते हुए किसी तरह शव को श्मशान घाट तक ले जा सके. श्मशान घाट का ढांचा भी पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है. वर्षों पहले बना टीन शेड अब जर्जर और क्षतिग्रस्त हो चुका है. शेड की चादरें टूटी हुई हैं, जिससे बारिश का पानी सीधे नीचे गिरता है. धूप और बारिश से बचाव का कोई साधन न होने के कारण अंतिम संस्कार में शामिल होने आए लोगों को मौसम की मार झेलनी पड़ती है.

शिवालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर फूटी मटकी

▸ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्री दुर्गा अखाड़े ने फोड़ी मटकी

रायसेन (नि.प्र.) **बीती शनिवार की रात में गांधी बाजार स्थित शिवालय मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास ओर धूमधाम से मनाया गया. दो दिन से मंदिर में चल रहे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम एवं अनुष्ठान के बाद मटकी फोड़ स्पर्धा से समापन हो गया.**

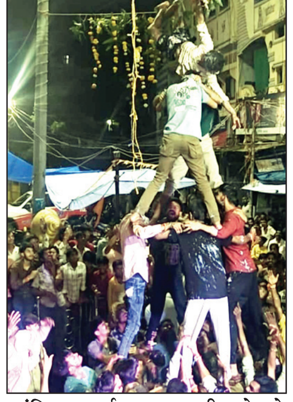

शिवालय मंदिर समिति अध्यक्ष सुरेश ताम्रकार के नेतृत्व में संपन हुए कार्यक्रमों में अंतिम कार्यक्रम मटकी फोड़ने से हुई. शनिवार की रात 8 बजे से करीब 10 बजे तक शिवालय मंदिर के सामने मैदान में रिमझिम फुहारों के बीच 21 फिट ऊंचाई पर बंधी मटकी को फोड़ने के लिए विभिन्न अखाड़ों की टीमों द्वारा जोरआजमाइश की गई लेकिन अंततः माला फाटक बेगमगंज के श्रीदुर्गा अखाड़े के वो ही लड़के जिन्होंने यादव समाज के कार्यक्रम में मटकी फोड़ी थी उन्हीं ने ही शिवालय मंदिर की मटकी फोड़कर बाजी मार ली. पुरस्कार स्वरूप 5700 रुपए नगद राशि प्रदान करने के साथ मंदिर समिति द्वारा सभी लड़कों एवं अखाड़े के उस्ताद एवं खलीफा को सम्मानित किया.

चीनी के बिना बनाएं ये 6 स्वादिष्ट मिठाइयां

चीनी के बिना मिठाई का स्वाद लेना चाहते हैं, तो घर पर बनाएं खजूर लड्डू, अंजीर बर्फी, ओट्स खीर और मोदक जैसी 6 आसान मिठाइयां, जिनमें चीनी का इस्तेमाल ही नहीं किया जाता है।

ओट्स की खीर

सामग्री

ओट्स, दूध, इलायची, कटे हुए बादाम-काजू और स्वादानुसार खजूर का पेस्ट।

बनाने का तरीका

ओट्स को हल्का भूनकर दूध में डालें। धीमी आंच पर पकाएं और गाढ़ा होने पर इलायची, मेवे और खजूर का पेस्ट मिलाएं। 2-3 मिनट पकाकर गर्म या ठंडा परोसें।

खजूर-मेवा लड्डू

सामग्री

बीजरहित खजूर, बादाम, काजू, अखरोट और थोड़ी इलायची।

बनाने का तरीका

मेवों को हल्का भूनकर दरदरा पीस लें। खजूर को नरम करके इसका मिश्रण तैयार करें। दोनों को अच्छी तरह मिलाकर छोटे-छोटे लड्डू बना लें। इसमें अलग से चीनी डालने की जरूरत नहीं होती।

बादाम बर्फी

सामग्री

बादाम का पाउडर, दूध या थोड़ा दूध का पाउडर, इलायची और खजूर का पेस्ट।

बनाने का तरीका

बादाम पाउडर को हल्का भूनें। इसमें खजूर का पेस्ट और जरूरत के अनुसार थोड़ा दूध डालकर लगातार चलाएं। मिश्रण गाढ़ा होने पर घी लगी प्लेट में फैलाएं, ठंडा होने दें और टुकड़ों में काट लें।

अंजीर की बर्फी

सामग्री

सूखे अंजीर, काजू, बादाम, थोड़ा घी और इलायची।

बनाने का तरीका

अंजीर को कुछ देर भिगोकर नरम करें और पीस लें। मेवों को हल्का भूनें। अब अंजीर का पेस्ट और मेवे मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं। मिश्रण जमने लायक हो जाए तो प्लेट में फैलाकर ठंडा करें और बर्फी काट लें।

बेसन के लड्डू

सामग्री

बेसन, घी, इलायची, कटे हुए मेवे और खजूर का पेस्ट।

बनाने का तरीका

घी में बेसन को धीमी आंच पर अच्छी तरह भूनें, जब तक खुशबू आने न लगे। थोड़ा ठंडा होने पर खजूर का पेस्ट, इलायची और मेवे मिलाएं। मिश्रण से छोटे लड्डू बना लें।

नो शुगर मोदक

सामग्री

चावल का आटा, नारियल, खजूर, इलायची और थोड़े मेवे।

बनाने का तरीका

चावल के आटे से नरम आटा तैयार करें। नारियल, खजूर और मेवों को मिलाकर भरावन बनाएं। आटे की छोटी लोई में भरावन रखें, मोदक का आकार दें और भाप में पकाएं।

पनीर रबर जैसा क्यों हो जाता है? बस ये गलतियां सुधार लें, हर बार बनेगा नरम पनीर

अमूमन लोग सोचते हैं कि पनीर को ग्रेवी में डालने के बाद जितनी देर पकाएंगे, वह उतना ही स्वादिष्ट और नरम होगा। जबकि ऐसा नहीं है। पनीर को तेज आंच पर लंबे समय तक पकाने से उसकी नमी कम होने लगती है और उसकी बनावट सख्त हो सकती है।

पनीर की सब्जी खाना हम सभी को काफी अच्छा लगता है। लेकिन इसका सारा मजा तब किरकिरा हो जाता है, जब खाने में पनीर नरम और मलाईदार होने के बजाय रबर जैसा और चबाने में मुश्किल हो जाता है। ऐसे में समझ में ही नहीं आता है कि बार-बार ऐसा क्यों होता है। ग्रेवी तो एकदम स्वादिष्ट बन जाती है, मसाले भी सही बैठ जाते हैं, लेकिन जैसे ही पनीर मुंह में जाता है, लगता है जैसे कोई रबर का टुकड़ा चबा रहे हों!

अगर आपके साथ भी ऐसा कई बार हुआ है, तो यह जरूरी नहीं है कि पनीर ही खराब हो। कभी-कभी पनीर को पकाने का तरीका भी उसकी नरमी पर बहुत असर डालता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जो आपके पनीर को रबर जैसा सख्त बना सकती हैं-

पनीर को बहुत देर तक उबालना

यह पनीर की सब्जी बनाते समय की जाने वाली सबसे बड़ी गलती है। अमूमन लोग सोचते हैं कि पनीर को ग्रेवी में डालने के बाद जितनी देर पकाएंगे, वह उतना ही स्वादिष्ट और नरम होगा। जबकि ऐसा नहीं है। पनीर को तेज आंच पर लंबे समय तक पकाने से उसकी नमी कम होने लगती है और उसकी बनावट सख्त हो सकती है। इसलिए, हमेशा ग्रेवी तैयार होने के बाद पनीर डालें और उसे धीमी आंच पर कुछ मिनट ही पकाएं।

पनीर को बहुत ज्यादा तलना

बहुत सी सब्जी में पनीर को तलकर इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप पनीर को बहुत देर तक तलते हैं, तो इससे वह अंदर से सूख सकता है। फिर जब वही पनीर ग्रेवी में जाता है, तो वह मुलायम होने के बजाय और ज्यादा सख्त महसूस होता है। इसलिए, अगर आपको तला हुआ पनीर पसंद है, तो उसे सिर्फ हल्का सुनहरा होने तक सेंकें। गहरा भूरा होने तक तलने की जरूरत नहीं है।

फ्रिज से निकालकर सीधे इस्तेमाल करना

यह पनीर की सब्जी बनाते समय की जाने वाली एक आम गलती है। कई बार लोग फ्रिज से एकदम ठंडा पनीर निकालकर उसे सीधे गर्म या उबलती हुई ग्रेवी में डाल देती हैं। ऐसे में अचानक तापमान बदलने से उसकी बनावट थोड़ी सख्त महसूस हो सकती है। याद रखें कि पनीर को इस्तेमाल करने से पहले कुछ देर सामान्य तापमान पर आने दें।

ग्रेवी में डालने के बाद तेज आंच पर पकाना

यह गलती बहुत आम है और हमें इसका अंदाजा तक नहीं होता है। अगर ग्रेवी में पनीर डालते ही गैस तेज कर दी और फिर सब्जी को लगातार उबालते रहे, तो ऐसा करने से पनीर सख्त हो सकता है। पनीर डालने के बाद धीमी से मध्यम आंच रखें और कुछ मिनट तक पकाएं।

दूध उबलते ही बर्तन से बाहर आ जाता है तो अपनाएं ये 6 आसान किचन टिप्स

सुबह की भागदौड़ में अक्सर लोग दूध गैस पर चढ़ाकर दूसरे कामों में व्यस्त हो जाते हैं। ऐसे में कुछ ही मिनटों में दूध उबलकर बर्तन से बाहर निकल जाता है, जिससे न सिर्फ दूध की बर्बादी होती है बल्कि गैस और किचन भी गंदा हो जाता है। हालांकि, कुछ आसान किचन ट्रिक्स अपनाकर इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे 6 आसान उपाय, जिनकी मदद से दूध उबालना आसान हो जाएगा।

बर्तन में स्टील की चम्मच रखें

दूध उबालते समय बर्तन के अंदर एक छोटी स्टेनलेस स्टील की चम्मच डाल दें। इससे झाग तेजी से ऊपर नहीं उठता और दूध के अचानक उबलकर बाहर आने की संभावना कम हो सकती है।

सही आकार का बर्तन चुनें

हमेशा ऐसा बर्तन इस्तेमाल करें जिसमें दूध भरने के बाद ऊपर पर्याप्त खाली जगह बची रहे। छोटा बर्तन इस्तेमाल करने से दूध जल्दी ओवरफ्लो हो सकता है।

तेज आंच की बजाय मीडियम फ्लेम रखें

दूध को हमेशा मध्यम आंच पर उबालें। इससे दूध धीरे-धीरे गर्म होगा और अचानक उबाल आने की संभावना कम होगी।

दूध को बीच-बीच में चलाते रहें

दूध को गैस पर रखकर छोड़ने की बजाय बीच-बीच में चम्मच से चलाते रहें। इससे दूध नीचे नहीं लगेगा और ऊपर मोटी मलाई बनने की प्रक्रिया भी धीमी हो जाएगी।

बर्तन के किनारों पर घी या मक्खन लगाएं

दूध चढ़ाने से पहले बर्तन के ऊपरी किनारों पर हल्का-सा घी या मक्खन लगा दें। इससे झाग आसानी से ऊपर नहीं चढ़ता और दूध के बाहर निकलने का खतरा कम हो सकता है।

लकड़ी की चम्मच रखें

बर्तन के ऊपर लकड़ी की चम्मच आड़ी रख दें। यह झाग की गति को कुछ हद तक रोकने में मदद करती है और दूध को तुरंत बाहर निकलने से बचा सकती है।

इन ट्रिक्स के बाद भी रखें ध्यान

कोई भी घरेलू उपाय 100% गारंटी नहीं देता कि दूध कभी नहीं उबलेगा। इसलिए दूध उबालते समय उसे पूरी तरह गैस पर छोड़कर न जाएं। थोड़ी-सी निगरानी और सही समय पर गैस बंद करने से दूध की बर्बादी और किचन की गंदगी दोनों से बचा जा सकता है।

वॉशिंग मशीन से आ रही बदबू बन सकती है बैक्टेरिया का घर

इन आसान तरीकों से मिनटों में पाएं समाधान

कई बार हम जल्दबाजी या भूलवश वॉशिंग मशीन में गीले कपड़े धोकर लंबे समय के लिए छोड़ दें। जब बाद में मशीन खोलते हैं, तो कपड़ों से एक अजीब सी सीलन और तेज गंदी बदबू आने लगती है। क्या आपके साथ भी ऐसा अक्सर होता है। दरअसल, नम और बंद जगह पर कपड़ों के ज्यादा समय तक पड़े रहने से उनमें बैक्टीरिया और फंगस पनपने लगते हैं, जोकि बदबू की वजह बनता है।

इसके कारण न सिर्फ कपड़े देर तक छोड़ना है, बल्कि कई बार मशीन की सफाई न होना होता है। अगर आप भी इस परेशानी से परेशान हो चुके हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको इस समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं।

वॉशिंग मशीन में कपड़े छोड़ने से क्यों आने लगती है बदबू

जब धुले हुए गीले कपड़े बंद ड्रम में रहते हैं, तो यह पूरी तरह से गर्म और नर्म रहते हैं। हवा न मिलने पर यहां फंगस, बैक्टीरिया और फफूंद पनपने लगते हैं।

देर तक मशीन में कपड़ों को छोड़ना

अगर आप भी धुले हुए गीले कपड़ों तक घंटों तक बंद मशीन में रखती हैं, तो इससे नमी बाहर नहीं निकल पाती है। जिस कारण बैक्टीरिया पनपने लगती है। यह कपड़ों से बदबू आने की वजह बनता है।

क्या करें

कपड़े मशीन में धोने के फौरन बाद ही धूप या हवादार जगह पर सूखने के लिए डालें। अगर किसी कारण से कपड़े देर तक छूट जाएं, तो उनको बिना डिटर्जेंट के आधा चम्मच सिरका डालकर मशीन चलाएं।

फौरन मशीन का दरवाजा बंद करना

आमतौर पर हम सभी लोग मशीन से कपड़े निकालने के बाद मशीन का दरवाजा बंद कर देते हैं। लेकिन अगर आप भी ऐसा करती हैं, तो यह बदबू आने की वजह बन सकता है।

क्या करें

कपड़ों को मशीन से निकालने के बाद उसके दरवाजे को कम से कम 15 से 20 मिनट के लिए खुला छोड़ दें। ऐसा करने से मशीन में मौजूद नमी, हवा और डिटर्जेंट की महक निकल जाएगी।

रबर सील में गंदगी जमना

फ्रंट-लोड वॉशिंग मशीन की रबर सील में साबुन, पानी और गंदगी जमा रहती है। वहीं हवा न मिलने पर काली फफूंद और बैक्टीरिया पनप जाती है। वहीं कपड़ों को धोते समय नमी और गंदगी उसके संपर्क में आती है। जिससे तेज गंदी बदबू आने लगती है।

क्या करें

हर सप्ताह एक सूखे या सिरके में डूबे कपड़े से रबर सील के अंदरूनी हिस्से को पहले अच्छे से साफ कर लें। ऐसा करने से आपको इस समस्या के कारण परेशान नहीं होना पड़ेगा।

ज्यादा डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना

कई बार कपड़े धोने के लिए हम मशीन में एक साथ ज्यादा डिटर्जेंट डाल देते हैं। भले ही हमें यह आदत सामान्य लगती है, लेकिन ऐसा सही नहीं है। ज्यादा सर्फ या डिटर्जेंट का इस्तेमाल करने से कपड़ों और ड्रम में साबुन का अवशेष रह जाता है। जोकि सड़कर बदबू पैदा करता है। इससे आप इन तरीकों से छुटकारा पा सकते हैं।

क्या करें

वॉशिंग मशीन में हमेशा कपड़े के हिसाब से ही डिटर्जेंट डालते हैं। प्रयास करें कि लिक्विड डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि यह पाउडर से बेहतर होता है।

वॉशिंग मशीन ड्रम की नियमित सफाई

जिस तरह से घर में मौजूद अन्य गैजेट्स की सफाई जरूरी होती है। तो उसी तरह वॉशिंग मशीन की क्लीनिंग भी जरूरी होती है। लंबे समय तक इस्तेमाल के बाद मशीन के ड्रम और पाइपों में गंदगी और स्केल जम जाती है। जिससे कपड़े धोने के बाद भी बदबू आती है।

क्या करें

महीने में एक बार मशीन को खाली चलाना चाहिए। इसके लिए ड्रम में गर्म पानी के साथ 2 कप सिरका या बेकिंग सोडा डालकर पूरा साइकिल चलाएं। ऐसा करने से न सिर्फ मशीन साफ होगी, बल्कि कपड़ों से बदबू भी नहीं आएगी।

सात्विक-चिराग ने जीता चाइना मास्टर्स बैडमिंटन

चीनी जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से हराया, टूर्नामेंट में भारतीय जोड़ी का पहला खिताब

शेनझेन। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है।

भारतीय जोड़ी ने रविवार को चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू को एक घंटे 10 मिनट चले मैच में 11-21, 21-13, 21-17 से हराया। यह टाइटल वर्ल्ड नंबर-5 भारतीय जोड़ी के लिए बड़ी जीत है। दोनों 19 सितंबर से जापान में होने वाले एशियन गेम्स में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेंगे। भारतीय जोड़ी पहले गेम की शुरुआत में रैलियों पर नियंत्रण नहीं बना सकी। टिंग और रेन ने तेज और आक्रामक शॉट्स के दम पर 5-0 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी चीनी के डिफेंस को तोड़ने की कोशिश करते रहे। चीन ने इंटरवल तक छह अंकों की बढ़त बना ली। चिराग की सर्विस गलती से चीन की बढ़त 17-9 हो गई। इसके बाद चिराग का एक और शॉट बाहर चला गया और चीनी जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी की वापसी

दूसरे गेम में सात्विक और चिराग ने डिफेंस को बेहतर किया। सात्विक ने फ्लिक सर्विस का इस्तेमाल किया, जिससे चीनी खिलाड़ी असमंजस में रहे। उन्हें सामने आने का मौका नहीं मिला। दूसरे गेम में सात्विक और चिराग ने रैलियां लंबी कीं। चीनियों को

हर अंक के लिए मेहनत करनी पड़ी।भारतीय जोड़ी ने 45 शॉट की रैली जीती और बढ़त 12-8 कर ली। चीनी खिलाड़ियों के नेट में शॉट मारने से भारत को गेम प्वाइंट के सात मौके मिले। सात्विक ने आक्रामक रिटर्न लगाकर दूसरा गेम भारत के नाम कर दिया।

तीसरे गेम में पिछड़ने के बाद जीते

निर्णायक गेम में चीनी जोड़ी ने फिर लय हासिल की और 4-0 की बढ़त बनाई। स्कोर 7-3 होने के बाद चिराग के स्मैश और हे जी टिंग के गलत शॉट से भारत ने अंतर 5-7 कर दिया। लगातार चौथा अंक जीतकर सात्विक और चिराग ने स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया। कुछ फ्लैट रैलियों के बाद चीन ने इंटरवल तक दो अंकों की बढ़त बनाए रखी। अपने पसंदीदा कोर्ट साइड पर लौटने के बाद भारतीय जोड़ी 11-13 से पीछे रहते हुए भी मुकाबले में बनी रही। एक समय स्कोर 16-16 से बराबर हो गया था। हे जी टिंग के नेट में शॉट मारने से भारत 18-17 से आगे हो गया। इसके बाद नेट कॉर्ड से मिले भाग्यशाली अंक ने भारतीय जोड़ी को मैच प्वाइंट के तीन मौके दिए। चिराग ने स्मैश लगाकर मैच और चाइना मास्टर्स सुपर 750 का खिताब भारत के नाम कर दिया।

जूनियर हॉकी एशिया कप में भारतीय मेंस टीम ने खेला ड्रॉ

जापान के खिलाफ आखिरी 59 सेकंड में अनमोल ने किया गोल

नई दिल्ली। चीन में चल रहे जूनियर हॉकी एशिया कप में रविवार को भारत और जापान का मैच 3-3 की बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं, एक अन्य मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने मलेशिया को 11-1 से हराया। पुरुषों के मैच में भारत ने पिछड़ने के बाद आखिरी मिनट में गोलकर बराबरी की। कप्तान अनमोल एका ने भारत को हार से बचाया। उन्होंने चौथे मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। भारत ने अपने पहले पूल मैच में इंडोनेशिया को 14-0 से हराया था।भारत ने मैच के चौथे मिनट में बढ़त बनाई। फाउल के बाद मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर कप्तान अनमोल गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। भारत ने 10वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी की। पेनल्टी कॉर्नर पर आशु मौर्य ने गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। जापान ने इसके तुरंत बाद 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। यूशिन सासाकी ने इस मौके को गोल में बदलकर स्कोर 2-1 कर दिया।

हाफ टाइम तक 2-1 से आगे रहा भारत – दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए। भारत अपनी बढ़त बढ़ाना चाहता था, जबकि जापान बराबरी के गोल की तलाश में था। किसी भी टीम को निर्णायक मौका नहीं मिला और हाफ टाइम तक भारत 2-1 से आगे रहा।

तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों ने नियंत्रण के लिए कड़ी कोशिश की। जापान ने कुछ अच्छे मौके बनाए और एक पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया, लेकिन उसे गोल में नहीं बदल सका। भारत के डिफेंस ने अपनी मामूली बढ़त बचाए रखी।

आखिरी क्वार्टर में जापान ने बढ़त बनाई – चौथे क्वार्टर में जापान ने बराबरी के लिए दबाव बढ़ाया। उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला। दोबारा दिए गए पेनल्टी कॉर्नर पर जापान के कप्तान काजुकी नाकानिशी ने 48वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। मैच के आखिरी पांच मिनट में जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। इस बार जापान का फ्लिक गोल से बाहर चला गया। जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। नाकानिशी ने 59वें मिनट में फिर गोल कर जापान को 3-2 की बढ़त दिला दी।

आखिरी 59 सेकंड में भारत ने बराबरी की – बराबरी की तलाश में भारत ने अपना गोलकीपर हटाकर हमला तेज किया। भारत को इसका फायदा मिला और मैच खत्म होने से 59 सेकंड पहले पेनल्टी कॉर्नर हासिल हुआ। अनमोल एका ने एक बार फिर जिम्मेदारी संभाली और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 3-3 कर दिया। भारत अब मंगलवार को पूल ए के अपने तीसरे मैच में कोरिया से खेलेगा।

सूर्यवंशी की बैटिंग देखने उमड़ी हजारों की भीड़

दलीप ट्रॉफी फाइनल में स्टेडियम के एक्स्ट्रा स्टैंड खोले गए

वैभव 44 रन बनाकर आउट

चेन्नई।

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में रविवार की सुबह अचानक भीड़ उमड़ने लगी। वजह थी दलीप ट्रॉफी फाइनल में वैभव सूर्यवंशी की बैटिंग। जैसे ही खबर फैली कि ईस्ट जोन के सूर्यवंशी बल्लेबाज कर रहे हैं, 12 हजार से ज्यादा दर्शक स्टेडियम पहुंच गए। आलम यह था कि तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन को तीन अतिरिक्त स्टैंड खोलने पड़े। एक डोमेस्टिक मैच में ऐसी भीड़ आमतौर पर देखने को नहीं मिलती। फाइनल मुकाबला साउथ

जोन और ईस्ट जोन के बीच खेला चेन्नई के एम चिदंबरम स्टेडियम में खेला जा रहा है। सूर्यवंशी 44 रन बनाकर आउट हुए। पहले यह फाइनल बेंगलुरु में खेला जाना था। फिर बीसीसीआई ने इसे चेपॉक शिफ्ट किया, ताकि फैंस आ सकें। सूर्यवंशी ने मोहम्मद सिराज को मिड-ऑफ के ऊपर से छक्का लगाया। उन्होंने 37 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने 5 चौके और 1 छक्का लगाया। सूर्यवंशी करीब 93 मिनट तक मैदान पर रहे। उन्हें साउथ जोन के चामा मिलिंद ने कैच आउट कराया। उनका विकेट गिरते ही ष्ट लोअर स्टैंड से दर्शक निकलने लगे और फिर धीरे-धीरे लगभग पूरा स्टैंड खाली हो गया। खास बात ये थी की सूर्यवंशी साउथ जोन के खिलाफ खेल रहे थे और साउथ के ही दर्शक सूर्यवंशी को सपोर्ट करने पहुंच गए। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने 15 साल के सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वैभव में वर्ल्ड क्रिकेट का बड़ा नाम बनने की क्षमता है। उन्होंने वैभव को आंकड़ों से परे बताया। श्रीकांत ने कहा- वैभव लोगों को घरेलू क्रिकेट देखने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनकी वजह से मेरी पत्नी भी दलीप ट्रॉफी देख रही हैं। उन्होंने कहा सूर्यवंशी टेस्ट क्रिकेट के खोए हुए वैभव को वापस ला सकते हैं।

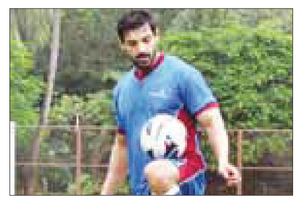

जॉन अब्राहम ने ग्लोबल फुटबॉल स्टार्स के बजाय देश के खिलाड़ियों को बताया अपनी पसंद

नयी दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के सह-मालिक जॉन अब्राहम ने पार्थिब गोगोई, रिडीम त्लांग और गोलकीपर गुरमीत सिंह चहल को अपने पसंदीदा भारतीय फुटबॉलरों में शामिल किया है।उनका कहना है कि उनके लिए इंटरनेशनल सुपरस्टार्स से ज्यादा अहमियत घरेलू खिलाड़ियों की है। जब उनसे उनके पसंदीदा फुटबॉल खिलाड़ी का नाम पूछा गया, तो अब्राहम ने अपनी ही इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम के खिलाड़ियों का जिक्र किया। शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में अब्राहम ने कहा, भारत में दो खिलाड़ी हैं।एक असम के पार्थिब गोगोई हैं।

एन से-यंग ने खिताबी हैट्रिक लगाई

जेसन गुनावन ने अपना पहला बड़ा खिताब जीता

शेनझेन। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एन से-यंग ने रविवार को लगातार तीसरा चाइना मास्टर्स खिताब जीता।वहीं, हांगकांग, चीन के जेसन गुनावन ने वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में अपने पहले ही टूर्नामेंट में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीतकर सबको चौंका दिया।टॉप सीडेड एन, जो दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन हैं, ने महिला सिंगल्स के फाइनल में जापान की टोमोका मियाज़ाकी को 21-17, 21-6 से हराया।इस जीत के साथ एन की लगातार जीत का सिलसिला 33 मैचों तक पहुंच गया है।उन्होंने इस सीज़न में अपने 50 में से 49 मैच जीते हैं; उन्हें एकमात्र हार मार्च में ऑल इंग्लैंड फाइनल में चीन की वांग झियी से मिली थी।एन ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम नहीं गंवाया। पिछले महीने वर्ल्ड टाइटल जीतने के बाद उन्होंने शेनझेन में भी शानदार प्रदर्शन

किया।वह लगातार तीन बार चाइना मास्टर्स जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बन गईं।

दुनिया में 32वें नंबर के खिलाड़ी गुनावन ने पुरुष सिंगल्स के फाइनल में हांगकांग, चीन के ही खिलाड़ी ली चेउक यियू को 21-9, 21-16 से हराया।22 वर्षीय गुनावन टूर्नामेंट में पहले अल्टरनेट खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए थे। उन्होंने जापान के कोकी वातानाबे, इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर 1 जोनाथन क्रिस्टी, चीन के मौजूदा चैंपियन वेंग होंगयांग और डेनमार्क के पांचवें सीडेड एंडर्स एंटोनसेन को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ गुनावन वर्ल्ड टूर सुपर 750 या उससे ऊंचे लेवल का सिंगल्स खिताब जीतने वाले हांगकांग के पहले खिलाड़ी बन गए। शिन्हुआ के अनुसार, यह पहली बार था जब चाइना मास्टर्स के पुरुष सिंगल्स फाइनल में दोनों जगहें हांगकांग, चीन के खिलाड़ियों ने हासिल कीं।

मैं चाहता हूं देश में हर साल बीपीएल खेला जाये: अमीनुल हक

ढाका। बंगलादेश के खेल राज्य मंत्री अमीनुल हक ने रविवार को कहा कि बंगलादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) हर साल होनी चाहिए और वे इसके भविष्य पर चर्चा करने के लिए बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के साथ बैठक करेंगे।बीपीएल देश का एकमात्र फ्रेंचाइजी-आधारित टी-20 टूर्नामेंट है। बीसीबी अध्यक्ष तमीम इकबाल ने पहले घोषणा की थी कि वे बीपीएल तब तक शुरू करने के लिए तैयार नहीं हैं जब तक कि वे उन मुद्दों को हल नहीं कर लेते जिन्होंने टूर्नामेंट की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए थे। हालांकि बीपीएल फ्रेंचाइजी ने बोर्ड के इस कदम का स्वागत किया, लेकिन क्रिकेटरों को यह पसंद नहीं आया, क्योंकि वे अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे थे; यह टूर्नामेंट उनकी आय के मुख्य स्रोतों में से एक था।

अपनी प्रौद्योगिकी को वैश्विक बाजार में ले जाने की तैयारी में जियो

मुंबई। रिलायंस समूह की कंपनी जियो अगले एक दशक में कनेक्टिविटी के साथ प्रौद्योगिकी पर फोकस करते हुए वैश्विक बाजार में खुद को स्थापित करने का प्रयास करेगी।रिलायंस जियो के 10 साल पूरे होने के मौके पर कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में कंपनी के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो अब दूरसंचार कंपनी मात्र नहीं है।कंपनी कनेक्टिविटी के साथ डिजिटल उत्पाद, उद्यम समाधान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में अपनी प्रौद्योगिकी विकसित कर रही है।अगला लक्ष्य इन प्रौद्योगिकियों को बड़े पैमाने पर भारतीयों तक पहुंचाने के साथ दुनिया के दूसरे बाजारों में भी ले जाना है।एआई को आने वाले दौर

की बड़ी ताकत बताते हुए उन्होंने कहा कि यह लोगों और कारोबार के काम करने, नयी चीजें बनाने और समस्याओं को हल करने का तरीका बदल देगा।जियो इसी बदलाव के लिए अपना प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रही है।उल्लेखनीय है कि रिलायंस जियो जल्द ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने वाली है।इसका प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) इस साल के अंत तक आने की उम्मीद है।

टीसीएस हैदराबाद में शुरू करेगी एक गीगावाट का डेटा सेंटर

हैदराबाद। टाटा समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस हैदराबाद में 264 एकड़ में एक गीगावाट का डेटा सेंटर स्थापित करेगी।कंपनी ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह अपनी सहायक कंपनी हाइपरवॉल्ट एआई डेटा सेंटर लिमिटेड के जरिये यह डेटा सेंटर शुरू करेगी।इसके लिए उसने जमीन अधिग्रहण का काम पूरा कर लिया है।टीसीएस हाइपरवॉल्ट को चरणबद्ध तरीके से विकसित कर रही है।वह हाइपरस्केलर्स, एआई कंपनियों और वैश्विक कंपनियों के लिए सुरक्षित, विस्तार के विकल्प के साथ और एआई-रेडी डेटा सेंटर अवसंरचना तैयार कर रही है। हाइपरवॉल्ट के डेटा सेंटर विशेष रूप से एआई वर्कलोड के लिए बनाये जा रहे हैं।इनमें लिक्विड

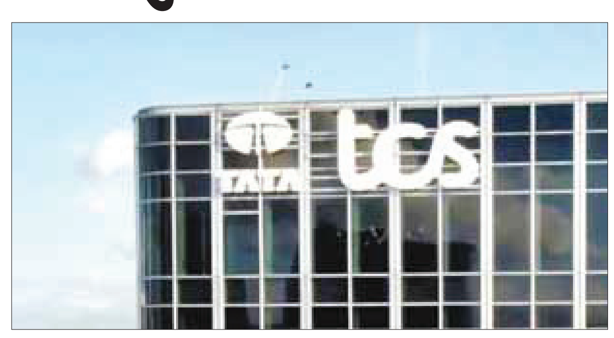

कूलिंग, डायरेक्ट टू चिप कूलिंग, हाई रैक डेनसिटी, हरित ऊर्जा और विश्वसनीयता को जोड़ने वाला एनर्जी मॉडल तथा मजबूत नेटवर्क कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं होंगी। कंपनी और उसके साझेदार इस अवसंरचना के निर्माण और प्रबंधन के लिए 70,000 करोड़ रुपये तक निवेश करने की उम्मीद कर रहे हैं। टीसीएस ने बताया कि हैदराबाद का यह एआई डेटा सेंटर कैम्पस विशेष रूप से फ्रंटियर एआई कंपनियों और हाइपरस्केलर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया जायेगा।

इसमें एआई प्रशिक्षण, इंफ्रेंस और आधुनिक कंप्यूटिंग वर्कलोड्स के लिए हाई-डेंसिटी जीपीयू लगाने की सुविधा होगी।पूरी तरह विकसित होने के बाद इस परिसर के देश के सबसे उन्नत और सबसे बड़े एआई अवसंरचना परिसरों में शामिल होने की उम्मीद है।परिसर के निर्माण में हरित ऊर्जा और जल-निरपेक्ष डिजाइन के सिद्धांतों का भी इस्तेमाल किया जायेगा।तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हाइपरवॉल्ट के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना को न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक बताया।उन्होंने कहा कि यह स्थापित करता है कि हैदराबाद अब मजबूत अवसंरचना के साथ वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे है।तेलंगाना के आई एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने बताया कि इस समझौते की शुरुआत इस साल जनवरी में दावोस में श्री रेड्डी और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के बीच हुई बातचीत से हुई थी।

चीनी एक सप्ताह में 287 रुपये सस्ती

खाद्य तेलों में तेजी का दौर जारी

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी 287 रुपये सस्ती हो गयी। चीनी के साथ चावल और गेहूं में भी नरमी रही। वहीं, खाद्य तेलों के भाव बढ़ गये जबकि दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 287 रुपये गिरकर सप्ताहांत पर 5,687 रुपये प्रति क्विंटल रह गया।खुदरा बाजार में भी इसकी औसत कीमत 2.36 रुपये टूटकर 61.52 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गयी।गुड़ का भाव पिछले सप्ताह थोक बाजार में 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया।सप्ताह के

दौरान चावल की औसत कीमत 13 रुपये टूटकर सप्ताहांत पर 4,121 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं भी दो रुपये सस्ता हुआ और 2,865 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।वहीं, आटे का भाव 12 रुपये चढ़कर 3,337 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। सप्ताह के दौरान चना दाल की औसत कीमत 29 रुपये और तुअर दाल की 22 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। उड़द दाल भी पांच रुपये महंगी हुई।

सरकार के 35 रूपये प्याज बेचने के बाद भी कीमतें बढ़ीं

देशभर में औसत भाव 50.79 पहुंचा, दिल्ली में 65 और चेन्नई में 63 बिका

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के बफर स्टॉक से सस्ती दर पर प्याज बेचने के बावजूद कीमतें नहीं घटी है। सरकार 28 अगस्त से 17 शहरों में 35 प्रति किलो के भाव पर प्याज बेच रही है। इसके बावजूद पूरे देश में प्याज का औसत खुदरा भाव 48.5 प्रति किलो से बढ़कर 50.79 प्रति किलो पहुंच गया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस योजना के पहले 10 दिनों में लगभग 4,000 टन बफर प्याज की बिक्री की जा चुकी है। इसके बावजूद महानगरों में प्याज के दाम ऊंचे बने हुए हैं।

5 सितंबर को देश के प्रमुख शहरों में प्याज की कीमतों में बड़ा अंतर देखा गया। दिल्ली में प्याज 65 प्रति किलो, मुंबई में 53 प्रति किलो, चेन्नई में ?63 प्रति किलो और रांची में 40 प्रति किलो के भाव पर बिका। वहीं, देश भर में प्याज का औसत थोक भाव 42.79 प्रति किलो दर्ज किया गया।सरकार साल 2026

के लिए बनाए गए अपने 1.21 लाख टन के बफर स्टॉक में से प्याज जारी कर रही है। यह काम नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन और नैफेड के जरिए हो रहा है। उत्पादक राज्यों से प्याज को ट्रकों और रेलवे की विशेष मालगाड़ी कांदा एक्सप्रेस के जरिए उन शहरों में भेजा जा रहा है जहां कीमतें ज्यादा बढ़ रही हैं। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि दिल्ली और चेन्नई के लिए भारी मात्रा में प्याज भेजा जा चुका है। अधिकारियों के मुताबिक, बफर स्टॉक जारी होने से स्थानीय स्तर पर कीमतों में हल्की नरमी आई है।

क्रूड ऑयल के दामों में आया भारी उछाल

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में आग लगा दी है । होर्मुज में जहाजों पर हमले के बाद कच्चा तेल 0.80 फीसदी की तेजी के साथ 96.28 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। क्रूड ऑयल में रोज हो रही बढ़ोतरी से पूरी दुनिया चिंतित है। हालांकि, भारत में अभी कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का असर नहीं हुआ है और सरकारी तेल कंपनियों ने आज भी पेट्रोल और डीजल के रेट को स्थिर रखा है। राजधानी और इससे सटे एनसीआर के इलाकों में आज कीमतें जस की तस बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 और डीजल 95.20 प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि प्रीमियम ईंधन एक्सपी 95 रूपये 109.24 और हाई-ऑक्टेन एक्सपी 100 रु167.35 प्रति लीटर मिल रहा है।

कच्चे तेल, रुपये की चाल से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर कच्चे तेल और रुपये की चाल पर रहेगी।कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव के बीच बीते सप्ताह यह 95 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहा।साथ ही, रुपये में गत सप्ताह तेजी रहने के बाद आने वाले सप्ताह में भी इससे बाजार धारणा प्रभावित होने की संभावना है।

पिछले सप्ताह घरेलू बाजारों में पहले चार दिन प्रमुख सूचकांक गिरावट में रहे जबकि शुक्रवार को बाजार में तेजी देखी गयी। इस दौरान बीएसई का सेंसेक्स कुल 749.08 अंक (0.97 प्रतिशत) लुढ़ककर सप्ताहांत पर 76,515.43

अंक पर बंद हुआ।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 277.95 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ 23,897.70 अंक पर आ गया।

वृहत बाजार में मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.51 फीसदी लुढ़क गया जबकि स्मॉलकैप-100 में 0.08 प्रतिशत की तेजी रही।आलोच्य सप्ताह में सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर लाल निशान में बंद हुए।देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया का शेयर 5.12 प्रतिशत टूट गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 4.91 प्रतिशत, इंडिगो में 3.91, टाइटन में 3.00, एशियन पेंट्स में 2.85, भारतीय स्टेट बैंक में 2.78, टेक महिंद्रा में 2.69, भारती एयरटेल में 2.13 और अल्ट्राटेक सीमेंट में 2.00 प्रतिशत की गिरावट रही।सप्ताह के दौरान एलएंडटी तथा ट्रेंट के शेयर 1.86 फीसदी, टीसीएस का 1.84, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.81, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.71, बजाज फाइनेंस का 1.53, इटरनल का 1.45, बजाज फिनसर्व तथा बीईएल के 1.35, इंफोसिस का 1.19, सन फार्मा का 1.10 और एचडीएफसी बैंक का 0.95 प्रतिशत फिसल गया। आईटीसी में 0.71 प्रतिशत, पावरग्रिड में 0.36 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक में 0.15 प्रतिशत की गिरावट रही। मुनाफे में रहने वालों में रिलायंस इंडस्ट्रीज की शेयर सबसे अधिक 2.93 प्रतिशत चढ़ा। टाटा स्टील में 1.50 फीसदी, एक्सिस बैंक में 0.71, एनटीपीसी में 0.33, कोटक महिंद्रा बैंक में 0.26 और अडानी पोर्ट्स में 0.23 प्रतिशत की तेजी रही।

संक्षिप्त समाचार

स्ट्रॉन्ग वुमेन्स पॉवर क्लब ने मनाया शिक्षक दिवस महिलाओं ने साझा की स्कूल जीवन की उपलब्धियां

भोपाल नगर संवाददाता। स्ट्रॉन्ग वुमेन्स पॉवर क्लब द्वारा 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब से जुड़ी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और शिक्षक दिवस को उत्साह एवं मनोरंजन के साथ मनाया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न गेम्स और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। साथ ही सभी सदस्यों ने अपने स्कूल जीवन की उन विशेष उपलब्धियों और यादों को साझा किया, जो उनके लिए आज भी प्रेरणादायक हैं। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। महिलाओं ने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके योगदान और मार्गदर्शन को याद किया। कार्यक्रम में स्ट्रॉन्ग वुमेन्स पॉवर क्लब से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने, रोजगार के अवसर प्राप्त करने तथा अन्य महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। क्लब का उद्देश्य महिलाओं को एक मंच प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने और अपने हुनर व व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में स्ट्रॉन्ग वुमेन्स पावर क्लब की संस्थापिका नीता थापा, कोषाध्यक्ष रुबी सिंह, रूपा चौधरी, वर्षा सोनी, रुचि वर्मा, नेहा, स्मिता, अंजू सहित क्लब की अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी सदस्यों ने गेम्स, भोजन और आपसी मेल-मिलाप का आनंद लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल शिक्षक दिवस मनाना ही नहीं, बल्कि महिलाओं को एक-दूसरे से जोड़ना, उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए नए अवसरों की जानकारी देना भी रहा।

बंडा क्षेत्र में जनहानि दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण : मंत्री राजपूत

भोपाल नगर संवाददाता। बंडा क्षेत्र में नकली शराब के सेवन से हुई जनहानि अत्यंत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस हृदयविदारक घटना पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि हमारी सरकार इस विषय पर पूरी तरह संवेदनशील है और इस जघन्य अपराध में लिप्त किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन द्वारा दोषियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माधुरी सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया

भोपाल नगर संवाददाता। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वरिष्ठ पत्रकार मृगेंद्र सिंह की माताजी माधुरी सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजन को यह असीम दुख सहन करने की सामर्थ्य देने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री ने की मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा

मप्र में वैश्विक स्तर के निवेश की संभावनाएं होंगी साकार : सीएम

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि व्यापार वाणिज्य और उद्योग के क्षेत्र में भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश कदम से कदम मिलाकर इस क्षेत्र में कार्य करेगा। वैश्विक स्तर पर निवेश की संभावनाओं को साकार करने के लिए मैं मध्यप्रदेश से यूएई के दौरे पर आया हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आर्थिक शक्ति बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उनकी यूएई यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती मिलेगी।

यह स्वर्णिम काल है, मध्यप्रदेश से बढ़ रहा है निर्यात : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को यूएई पहुंचने पर मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि भारत जिस तरह दुनिया के देशों के साथ अपने संबंधों को प्रगाढ़ कर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। हमारा देश एक पारदर्शी, सरलीकृत व्यवस्था के साथ शुचिता के बल पर व्यापार और वाणिज्य क्षेत्र में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। राज्यों के बीच भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है। यह स्वर्णिम काल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विभिन्न देशों के साथ व्यापार, वाणिज्य की गतिविधियों में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निवेश के प्रयासों में मध्यप्रदेश भी कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। आज मध्यप्रदेश का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। पिछले एक वर्ष में ही 76 हजार करोड़ रुपए का निर्यात मध्यप्रदेश से हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में अरब संसद के अध्यक्ष हिज हाइनेस मोहम्मद अहमद अल यामाही और अरब संसद के अन्य सदस्यों को जीआईएस 2027 में निवेशकों के साथ भोपाल आने का आमन्त्रण पत्र सौंपा।

अनेक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने के प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि लॉजिस्टिक्स, माइनिंग, एग्रीकल्चर, रियल एस्टेट सहित हर क्षेत्र में निवेश आए, व्यापार बढ़े और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हों। निश्चित ही यूएई और मध्यप्रदेश के बीच व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाई मिलेगी और निवेशक मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में भागीदार बनेंगे।

डॉ. यादव दुबई में वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे मध्यप्रदेश की विकास और निवेश संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार से 9 सितंबर 2026 तक संयुक्त अरब अमीरात के दुबई यात्रा पर रहेंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल एआईएम कांग्रेस-2026 में सहभागिता करेगा। मुख्यमंत्री की यह यात्रा मध्यप्रदेश के वैश्विक निवेश संपर्कों को सुदृढ़ करने, अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के समक्ष राज्य की आर्थिक एवं औद्योगिक क्षमताओं को प्रस्तुत करने और नई निवेश साझेदारियों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 में मध्यप्रदेश की निवेश क्षमता, औद्योगिक आधार और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश अवसरों को वैश्विक उद्योग जगत के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। यात्रा के दौरान 'इन्वेस्ट मध्यप्रदेश' विषय पर विशेष सत्र भी प्रस्तावित है, जिसमें मुख्यमंत्री राज्य के निवेश-अनुकूल वातावरण और औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर प्रकाश डालेंगे।

■ एआईएम कांग्रेस 2026 में करेंगे उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश भारत के तेजी से उभरते औद्योगिक और निवेश गंतव्यों में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। राज्य में उपलब्ध संसाधन, बेहतर आधारभूत संरचना, उद्योग-अनुकूल वातावरण और निवेशकों के लिए विकसित सुविधाएं प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बनाती हैं। हमारा प्रयास है कि वैश्विक निवेशकों के साथ मजबूत साझेदारी स्थापित कर मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए। दुबई यात्रा मप्र और संयुक्त अरब अमीरात के बीच आर्थिक एवं औद्योगिक सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने का अवसर प्रदान करेगी। वैश्विक निवेशकों और उद्योग समूहों के साथ होने वाली बैठकें प्रदेश में नए निवेश और रोजगार के अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यात्रा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य जनवरी 2027 में भोपाल में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संपर्क एवं सहभागिता को बढ़ावा देना भी है। यात्रा में संयुक्त अरब अमीरात सरकार को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में पार्टनर कंट्री के रूप में आमंत्रित करने के प्रयास किए जाएंगे।

सुरक्षित सफर और ग्रीन मोबिलिटी हमारी प्राथमिकता : डॉ. यादव

इन्दौर में 11-12 सितम्बर को होगी 'यात्री परिवहन विजन समिट-2026'

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में आधुनिक परिवहन व्यवस्था के विस्तार के साथ सुरक्षित सफर और ग्रीन मोबिलिटी को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक्स' पर संदेश में कहा कि मध्यप्रदेश में सुरक्षित, सुगम और पर्यावरण अनुकूल यात्री परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देने के उद्देश्य से आगामी 11 एवं 12 सितम्बर को इंदौर में 'यात्री परिवहन विजन समिट-2026' का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का संकल्प है कि हर यात्री को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक परिवहन की सुविधा मिले। सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल और प्रभावी बनाने में सार्वजनिक-निजी भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यात्री परिवहन विजन समिट इसी दिशा में भविष्य की ठोस रूपरेखा तैयार करेगा।

समिट में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण तथा इसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी की भूमिका पर विशेषज्ञों, निवेशकों और नीति-निर्माताओं द्वारा विचार-विमर्श किया जाएगा। समिट का फोकस सुरक्षित परिवहन के साथ हरित परिवहन और बेहतर मोबिलिटी की दिशा में नए अवसर तलाशने पर केंद्रित रहेगा। यह समिट प्रदेश की यात्री परिवहन व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित, टिकाऊ और तकनीक-सक्षम बनाने के लिए संभावित निवेश और साझेदारी के नए द्वार खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

सेमी कंडक्टर क्षेत्र में मध्यप्रदेश निभाएगा अग्रणी भूमिका : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई गति देने के लिए मध्यप्रदेश अग्रणी भूमिका निभाने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर कहा कि राज्य में अत्याधुनिक तकनीक, निवेश और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है, जिससे मध्यप्रदेश देश के उभरते सेमीकंडक्टर इको सिस्टम का महत्वपूर्ण केंद्र बन सके। सेमीकंडक्टर तकनीक भारत के आत्मनिर्भर और विकसित भविष्य की आधारशिला है। देश में तकनीकी क्षेत्र में हो रहे बदलाव और विकास में मध्यप्रदेश भी सहभागी बन रहा है। सेमीकंडक्टर इंडिया प्रोग्राम 2.0 में मध्यप्रदेश अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। केंद्र सरकार द्वारा 6 राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने के बाद इस क्षेत्र में देश की गति तेज हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी नीतिगत पहल, निवेश-अनुकूल वातावरण और औद्योगिक क्षमता के जरिए इस राष्ट्रीय अभियान को नई ऊंचाई देगा। इंदौर में अगले महीने 23-24 अक्टूबर को 'एमपी सेमीकंडक्टर समिट-2026' का आयोजन किया जा रहा है। समिट में देश-विदेश के निवेशक, तकनीकी विशेषज्ञ और नीति-निर्माता एक मंच पर जुटेंगे। यहां प्रदेश में मजबूत सेमीकंडक्टर इको सिस्टम विकसित करने, निवेश की संभावनाओं, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक विस्तार पर व्यापक विचार-मंथन होगा।

दोषी कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा : देवड़ा

■ नकली शराब से 11 मौतों पर सरकार सख्त, तीन आबकारी अधिकारी निलंबित

■ संभागीय फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी ग्वालियर मुख्यालय अटैच

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। सागर जिले के बंडा तहसील क्षेत्र के ग्राम गोगरा खुर्द, नौरोज और पाटन में शराब पीने से दस लोगों की मृत्यु के मामले में राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। उपमुख्यमंत्री एवं वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा ने आबकारी अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर उपायुक्त एवं संभागीय फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी नीरजा श्रीवास्तव को ग्वालियर मुख्यालय अटैच किया गया है एवं सहायक आयुक्त आबकारी सागर कीर्ति दुबे, सहायक जिला आबकारी अधिकारी सागर दिलीप खंडाते और आबकारी उप निरीक्षक वृत्त बंडा प्रोशनी उरेती को निलंबित कर दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'इस हादसे के पीछे जो भी व्यक्ति जिम्मेदार होगा, उसे किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सरकार इस पूरे प्रकरण में सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।' उन्होंने कहा कि अवैध अथवा नकली शराब के निर्माण और बिक्री से जुड़े किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही विभागीय स्तर पर यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी जवाबदेही तय की जाएगी। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

CAG ऑडिट ऑफिसर के घर पर पुलिस की छापामार कार्रवाई

किचन से एमडी और गांजा जब्त, पत्नी गिरफ्तार

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। राजधानी के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित प्राइड सिटी कॉलोनी में पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) ऑडिट ऑफिसर के घर से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया है। मामले में पुलिस ने ऑडिट ऑफिसर की पत्नी सोनम बिसेन को गिरफ्तार कर लिया है।

किचन में छिपाकर रखा था नशा : पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली थी कि प्राइड सिटी कॉलोनी के एक मकान में मादक पदार्थ छिपाकर रखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने उक्त मकान पर दबिश दी। घर की गहन तलाशी के दौरान रसोई घर (किचन) से लगभग 3 ग्राम एमडी (मेथामफेटामाइन) और करीब 1200 ग्राम (1.2 किलोग्राम) गांजा बरामद हुआ।

सप्लाई चेन और मोबाइल डेटा खंगाल रही पुलिस : जांच एजेंसियां अब इस बात की पड़ताल में जुटी हैं कि बरामद ड्रग्स केवल व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए रखी गई थी या इसे आगे सप्लाई किया जाना था। एसीपी डॉ. कश्यप के अनुसार, महिला के पास से मिले मोबाइल फोन की कॉल डिटेल और संपर्कों की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस मामले के तार किसी बड़े ड्रग्स नेटवर्क या सप्लायर से तो नहीं जुड़े हैं। फिलहाल कटारा हिल्स थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को उम्मीद है कि आरोपी महिला से पूछताछ के बाद शहर में सक्रिय ड्रग्स सप्लाई चेन से जुड़े अन्य आरोपियों का भी पर्दाफाश हो सकेगा।

पूछताछ में नहीं मिला संतोषजनक जवाब

मामले की जानकारी देते हुए एसीपी डॉ. रजनीश कश्यप ने बताया कि रेड के दौरान जब्त मादक पदार्थों के संबंध में जब आरोपी महिला सोनम बिसेन से पूछताछ की गई, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी। इसके बाद पुलिस ने मादक पदार्थों को जब्त कर महिला को हिरासत में ले लिया।

शादी का झांसा देकर युवती से रेप इंस्टाग्राम पर हुई थी आरोपी से दोस्ती

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। शहर के अवधपुरी थाना क्षेत्र में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद शादी का झांसा देकर एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी छात्र पिछले छह महीनों से शादी का भरोसा दिलाकर पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बना रहा था। शादी से इनकार करने और संपर्क बंद करने पर पीड़िता ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया है।

अवधपुरी थाना प्रभारी सुरेश मीणा के अनुसार, 28 वर्षीय पीड़िता दैनिक वेतन भोगी के रूप में कार्य करती है। मार्च महीने में इंस्टाग्राम के जरिए उसकी पहचान आरोपी छात्र से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों की बातचीत बढ़ी और दोस्ती प्रेम प्रसंग में बदल गई। इस दौरान आरोपी ने पीड़िता को शादी का झांसा दिया और उसके साथ दुष्कर्म करता रहा।

कुछ दिन पूर्व जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया, तो आरोपी युवक ने साफ इनकार कर दिया और पीड़िता का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया। पीड़िता द्वारा संपर्क के तमाम प्रयासों के बाद भी जब आरोपी ने बात नहीं की, तो उसने अवधपुरी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आरोपी छात्र की तलाश में जुट गई है। फिलहाल आरोपी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो अलग-अलग टीमें गठित कर विभिन्न ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कल्पना मिश्रा मामले की CBI जांच की मांग को लेकर भोपाल में प्रदर्शन

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। विंध्य नागरिक अधिकार मंच के बैनर तले भोपाल में गांधी प्रतिमा के सामने एक दिवसीय सांकेतिक धरना देकर स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। मंच ने कल्पना मिश्रा प्रकरण की निष्पक्ष जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) से कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है।

प्रदर्शन का नेतृत्व मंच के अध्यक्ष दिलीप तिवारी ने किया। धरने के दौरान विंध्य क्षेत्र के नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और परिजनों ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मामले की सीबीआई जांच के आदेश जारी नहीं किए गए, तो विंध्य क्षेत्र की जनता भोपाल में एकजुट होकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेगी।

मंच के पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि संजय गांधी अस्पताल में पदस्थ अधिकांश डॉक्टर ड्यूटी के समय निजी नर्सिंग होम चलाने में व्यस्त रहते हैं। मरीजों को सरकारी अस्पताल के बजाय निजी अस्पतालों में आने के लिए मजबूर किया जाता है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वर्तमान में चल रही मजिस्ट्रियल जांच केवल खानापूर्ति है, क्योंकि इसमें वही प्रशासनिक लोग शामिल हैं जिन पर सवाल उठ रहे हैं। मंच ने मुख्य रूप से तीन प्रमुख मांगें रखी हैं—कल्पना मिश्रा प्रकरण की सीबीआई जांच, निजी अस्पताल चलाने वाले डॉक्टरों व अधीक्षक की सेवा समाप्ति, और रीवा की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार। धरना स्थल पर दिनभर कल्पना मिश्रा को न्याय दो और स्वास्थ्य व्यवस्था ठीक करो के नारे गूंजते रहे। इस अवसर पर उमाशंकर तिवारी, अनीश शर्मा, भूपेंद्र मिश्रा, सतीश पांडेय, अभिषेक तिवारी, प्रवीण शर्मा, सतीश मिश्रा, देवराज राणा, अंकित रघुवंशी और धीरेंद्र राणा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रानी कमलापति-अगरतला स्पेशल ट्रेन हुई नियमित, 22 अक्टूबर से ट्रेन नंबर 11665/11666 के रूप में भरेगी रफ्तार

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। रेल यात्रियों की सुविधा और पूर्वोत्तर भारत के लिए बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल ने रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को नियमित ट्रेन के रूप में संचालित करने का निर्णय लिया है। अब यह गाड़ी ट्रेन संख्या 01665/01666 के स्थान पर 11665/11666 रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में नियमित रूप से चलेगी।

रानी कमलापति स्टेशन से ट्रेन संख्या 11665 का नियमित संचालन 22 अक्टूबर 2026 से प्रत्येक गुरुवार को तथा अगरतला से ट्रेन संख्या 11666 का संचालन 25 अक्टूबर 2026 से प्रत्येक रविवार को शुरू होगा। यह ट्रेन नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, माणिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नौगछिया, कटिहार, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू बोंगाईगांव, रंगिया, गुवाहाटी, छपारमुख, न्यू हाफलोंग, बदरपुर जंक्शन, न्यू करीमगंज, धर्मनगर, कुमारघाट, अंबासा और तेलियामुरा होते हुए अगरतला तक जाएगी। इस निर्णय से मध्य प्रदेश और त्रिपुरा के बीच आवागमन और अधिक सुगम हो जाएगा। संशोधित संरचना के अनुसार इस एक्सप्रेस ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे, जिनमें 08 स्लीपर, 05 थर्ड एसी, 01 थर्ड एसी इकोनॉमी, 02 सेकेंड एसी, 04 सामान्य श्रेणी और 02 जनरेटर कार शामिल हैं। रेल प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले अधिकृत माध्यमों (NTES या IRCTC) से समय-सारणी और सीट उपलब्धता की जांच करने का अनुरोध किया है।

बुजुर्ग महिला से लाखों रुपए के जेवर ठगे, नोटों की गड्डी का झांसा देकर मंगलसूत्र और टॉप्स उड़ाए

हमीदिया अस्पताल के पास वारदात

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। राजधानी भोपाल के कोतवाली थाना क्षेत्र में इलाज कराने आई एक 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला ठगी का शिकार हो गई। दो शातिर ठगों ने महिला को डरा-धमकाकर और नोटों की नकली गड्डी का झांसा देकर उसके सोने के जेवर पार कर दिए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, नरसिंहगढ़ निवासी 62 वर्षीय अशरफी बाई पत्नी नाथूलाल वंशकार 3 सितंबर को त्वचा संबंधी बीमारी का इलाज कराने हमीदिया अस्पताल आई थीं। डॉक्टर को दिखाने के बाद जब वह मेडिकल स्टोर से दवा लेकर ऑटो पकड़ने के लिए निकलीं, तो करीब 30 वर्षीय एक युवक और 16-17 वर्ष का एक किशोर उनके पीछे लग गए। मदद का झांसा देकर उन्होंने महिला का बैग ले लिया और उसे पैदल नक्कारखाना गेट तक ले आए।

नक्कारखाना गेट के पास मुख्य आरोपी ने महिला को डराया कि इलाके में बदमाश घूम रहे हैं, जो उसके जेवर छीन सकते हैं। इसके बाद उसने कपड़े में लिपटी 500 रुपये के नोटों की एक गड्डी दिखाई और झांसा देकर महिला के मंगलसूत्र और कान के टॉप्स उतरवा लिए। बदले में उसने महिला को वह गड्डी थमा दी। घबराहट में महिला आरोपियों के कहे अनुसार अपने सोने के जेवर उन्हें सौंप दिए।

आरोपी ने साथ मौजूद किशोर को अपना बेटा बताया और गड्डी से 500-500 रुपये के तीन असली नोट निकालकर कहा कि बच्चे को खाना खिलाना है। इस चालाकी से महिला को गड्डी के असली होने का विश्वास हो गया। जेवर ऐंठने के बाद आरोपियों ने महिला को ऑटो में बैठाकर रवाना कर दिया।

महिला जब सईद नगर स्थित अपनी बेटी के घर पहुंची और गड्डी खोलकर देखी, तो उसमें नोटों की जगह सिर्फ कागज के टुकड़े निकले। ठगी का अहसास होते ही पीड़िता ने कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महिला की शिकायत पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की पहचान और तलाश के लिए हमीदिया अस्पताल से लेकर नक्कारखाना गेट तक मार्ग पर लगे CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

सिवनी पुलिस की बड़ी सफलता

एनएच-44 पर 1 करोड़ से अधिक की डकैती का 24 घंटे में किया खुलासा

भोपाल (नगर संवाददाता)

ये किया बरामद

- 320 ग्राम सोना
- 26 किलो चांदी
- 1.11 करोड़ रुपये
- 7 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में प्रदेश में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा गंभीर अपराधों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सिवनी पुलिस ने नेशनल हाईवे-44 पर हुई 1 करोड़ रुपये से अधिक की डकैती का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 07 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 1 करोड़ 11 लाख रुपये की लूटी गई 100 प्रतिशत संपत्ति भी जब्त की है।

03 सितम्बर की शाम थाना बंडोल क्षेत्र में ग्राम भोंगाखेड़ा स्थित गीता वेयर हाउस के सामने नेशनल हाईवे-44 पर एक आभूषण व्यवसायी को अज्ञात आरोपियों ने मोटरसाइकिल से ओवरटेक कर रोक लिया। आरोपियों ने पीड़ित की आंखों में मिर्ची पाउडर डालकर उसे नीचे गिराया तथा चाकू दिखाकर उसके पास रखे लगभग 26 किलोग्राम चांदी, 320 ग्राम सोने के जेवरात एवं नकदी सहित लगभग 1 करोड़ 08 लाख रुपये का सामान लूट लिया और फरार हो गए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई - 100 / 22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित । सम्पादक- **नवीन आनंद जोशी** , मुख्य कार्यकारी संपादक **श्रीमती रोमा मल्होत्रा** । समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।